हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय
गूजरात विद्यापीठ : अहमदाबाद-14

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी)
Bachelor of Education – (B.Ed. Hindi)

पाठ्यक्रम (CURRICULUM)

पूर्णकालीन :एक वर्षीय (दो सेमेस्टर)

सन् 2012-13 से अमलकृत

अभ्यासक्रम विकास एकम

गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद-380 014

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय

गूजरात विद्यापीठ : अहमदाबाद-14

अभ्यासक्रम समिति

अभ्यासक्रम समिति में निम्नांक्ति सदस्यों का समावेश है।

- प्रो. रमेशचन्द्र कोठारी
- प्रो. महेशचन्द्र याज्ञिक
- प्रो. अनिल अंबासणा
- डॉ. मोतीभाई पटेल
- डॉ. राजाभाई पटेल
- डॉ. हरिभाई पटेल

- हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, शिक्षण महाविद्यालय और शिक्षण अनुस्नातक विभाग के सभी अध्यापकश्रीओं
- नईतालीम क्षेत्र के निम्नांक्ति तजज्ञों का अभ्यासक्रम रचना में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है ।
    - डॉ. राजाभाई पटेल
    - डॉ. कुमुदभाई ठाकर
    - श्री मनसुखभाई सल्ला
    - श्री प्रवीणभाई डाभी

गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी)

(Bachelor of Education (B.Ed. - Hindi)

विभाग-1 :सैद्धांतिक कार्य

जूथ	प्रश्नपत्र क्रमांक	विषय	अंकभार		कुल अंक	क्रेडिट
			सेमेस्टर-1 बाह्य (आंतरिक)	सेमेस्टर-2 बाह्य (आंतरिक)		
A	A-101	शिक्षा की तात्त्विक और समाजशास्त्रीय आधारशिला	30 (20)	-	30 (20)	3
	A-102	अध्ययन – अध्यापन प्रक्रिया	30 (20)	-	30 (20)	3
	A-103	बुनियादी शिक्षा का विकास और तत्वदर्शन	30 (20)	-	30 (20)	3
	A-204	अध्येता स्वरूप और विकास	-	30 (20)	30 (20)	3
	A-205	शिक्षा की समस्याएँ – प्रवाह और शैक्षिक मूल्यांकन	-	30 (20)	30 (20)	3
	A-206	शिक्षा में कम्प्यूटर	-	30 (20)	30 (20)	3
B	B-101	शिक्षा पद्धति – 1 : हिन्दी शिक्षण पद्धति	30 (20)	-	30 (20)	3
	B-201	शिक्षा पद्धति – 1 : हिन्दी शिक्षण पद्धति	-	30 (20)	30 (20)	3
	B-102	शिक्षा पद्धति – 2 : गुजराती / अंग्रेजी / संस्कृत / सामाजिक विज्ञान	30 (20)	-	30 (20)	3
	B-202	शिक्षा पद्धति – 2 : गुजराती / अंग्रेजी / संस्कृत / सामाजिक विज्ञान	-	30 (20)	30 (20)	3
C	C-101	विषयवस्तु – 1 : हिन्दी	30 (20)	-	30 (20)	3
	C-201	विषयवस्तु – 1 : हिन्दी	-	30 (20)	30 (20)	3
	C-102	विषयवस्तु – 2 : गुजराती / अंग्रेजी / संस्कृत / सामाजिक विज्ञान	30 (20)	-	30 (20)	3
	C-202	विषयवस्तु – 2 : गुजराती / अंग्रेजी / संस्कृत / सामाजिक विज्ञान	-	30 (20)	30 (20)	3
D	D-101	समूहजीवन के सिद्धांत (विशिष्ट क्षेत्र)	30 (20)	-	30 (20)	3
	D-202	भाषाविज्ञान (विशिष्ट क्षेत्र)	-	30 (20)	30 (20)	3
		कुल अंक	240 (160)	240 (160)	480(320)	48

विभाग-2 :प्रायोगिक कार्य

विभाग	प्रायोगिक कार्य का विवरण	कुल अंकभार		कुल अंक	क्रेडिट
		आंतरिक	बाह्य		
अ	**सैद्धांतिक पाठ्यक्रम में समाविष्ट प्रायोगिक कार्य** 1. आधार प्रश्नपत्र – 6 :प्रश्नपत्र के मुताबिक नयी तालीम सम्बन्धित प्रवृत्ति 5 अंक + सूचित प्रायोगिक कार्य 5 अंक	60	-	60	
	2. शिक्षण पद्धति – 2 :प्रश्नपत्र के मुताबिक नयी तालीम सम्बन्धित प्रवृत्ति 5 अंक + सूचित प्रायोगिक कार्य 5 अंक	20	-	20	
	3. विषयवस्तु – 2 :प्रश्नपत्र के मुताबिक नयी तालीम सम्बन्धित प्रवृत्ति 5 अंक + सूचित प्रायोगिक कार्य 5 अंक	20	-	20	
	4. विशिष्ट क्षेत्र – 1 :प्रश्नपत्र के मुताबिक नयी तालीम सम्बन्धित प्रवृत्ति 5 अंक + सूचित प्रायोगिक कार्य 5 अंक	10	-	10	
	5. समूहजीवन के सिद्धांत :(छात्रावास की प्रार्थना, सफाई, सफाई साधन निर्माण कौशल, छात्रावास व्यवहार, छात्रावास भोजन व्यवस्थामें मदद) 10 अंक	10	-	10	
ब	शिक्षक प्रशिक्षण आनुषांगिक प्रायोगिक कार्य 1. अध्यापन कार्य :माइक्रोपाठ – 5, सेतुपाठ – 5, पूर्ण पाठ – 10, लोकशिक्षा के पाठ – 4, ग्राम शिक्षण शिबिर पाठ – 8, प्राथमिक शाला में प्रवृत्ति समवाय पाठ – 2, केन्द्र निवास में पाठ – 4, प्राथमिक अध्यापन मंदिर में पाठ – 2	100	-	-	4
	• वार्षिक प्रायोगिक पाठ – 2	-	100	200	3
	2. उद्योग कार्य : प्रमुख उद्योग कताई (यरवड़ा, अम्बर), बुनाई (आसन, हाथरूमाल) (15 अंक आंतरिक + 15 अंक बाह्य) पूरक उद्योग : पौछा / साबुन / अगरबत्ती / मोमबत्ती निर्माण / सीलाईकार्य / बागायत – औषधबाग (10 अंक आंतरिक + 10 अंक बाह्य)	25	25	50	4

विभाग	प्रायोगिक कार्य का विवरण	कुल अंकभार		कुल अंक	क्रेडिट
		आंतरिक	बाह्य		
ब	**3.** सहअभ्यासिक प्रवृत्तियाँ : प्रार्थना सम्मेलन सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ – 5 अंक, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ – 5 अंक, खेलकूद सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ – 5 अंक, समाजसेवा सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ – 5 अंक, स्वच्छता, स्वास्थ्य – आरोग्य और पर्यावरण सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ – 5 अंक	30	-	30	3
	4. प्रोजेक्ट कार्य : **सेमेस्टर-1** आदर्श प्रश्नपत्र की रचना (मेथड़ में) 10 अंक **सेमेस्टर-2** स्वनिर्मित शै. साधन (मेथड़ में) 10 अंक **सेमेस्टर-2** क्रियात्मक अनुसंधान (मेथड़ में) 10 अंक	30	-	30	02
	5. ग्रामजीवन पदयात्रा 10 अंक और संवर्धनात्मक कार्यक्रम 10 अंक :आयोजन, नेतृत्व – 2 अंक, कार्य सहभागिता – 2 अंक, सहअभ्यासिक प्रवृत्तियाँ – 2 अंक, व्यवहार – 2 अंक, समग्र दिखावा – 2 अंक	20	-	20	04
	6. ग्रामशिक्षण शिबिर दरम्यान की प्रवृत्तियाँ ग्रामशिक्षण शिबिर दरम्यान समूहजीवन 2 अंक छात्रावास और प्रार्थना संचालन 2 अंक सहअभ्यास प्रवृत्तियाँ 2 अंक अनुशासन 2 अंक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भूमिका 2 अंक	10	-	10	04
	7. केन्द्रनिवास दरम्यान की प्रवृत्तियाँ केन्द्रनिवास दरम्यान समूहजीवन 2 अंक छात्रावास और प्रार्थना संचालन 2 अंक सहअभ्यास प्रवृत्तियाँ 2 अंक अनुशासन 2 अंक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भूमिका 2 अंक	-	10	10	04
	8. कम्प्यूटर प्रायोगिक परीक्षा	20	20	40	
	9. शिक्षक सज्जता की जाँच (आंतरीक मुलाकात के झरिए) जन्माष्टमी त्योहार पूर्व - 10 अंक दीपावली वेकेशन पूर्व - 10 अंक होली-धूलेटी त्योहार पूर्व - 10 अंक सामायिक कसौटी – 4 के बाद - 10 अंक	10	-	10	
	कुल अंक	**365**	**155**	**520**	**26**

* 1 क्रेडिट = 30 घण्टे ।

** D कक्षा प्राप्त करने वाले को बाह्य परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) अभ्यासक्रम : सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-A-101 : शिक्षा की तात्त्विक और सामाजिक आधारशिला

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. शिक्षा की संकल्पना और उद्देश्यों की जानकारी प्राप्त करे । 2. शिक्षाविदों के पौरवात्य और पाश्चात्य प्रदान की सारग्राही जानकारी प्राप्त करे । 3. समाज परिवर्तन और समाज नवनिर्माण की प्रक्रिया में शिक्षा का योगदान समझे । 4. पाठ्यक्रम की संकल्पना और पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्तों का शिक्षा में उपयोग करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	शिक्षा की संकल्पना और स्वरूप (13.50 घण्टे)	30 %
	1. शिक्षा की संकल्पना 2. शिक्षा और पढ़ना के बीच का तात्त्विक अंतर 3. शिक्षा का स्वरूप :वैधिक (Formal), अवैधिक (Non-formal), अनौपचारिक (In-formal) 4. शिक्षाविद : (A) गांधीजी, (B) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (C) विवेकानंद (D) जिन जेक्स रूसो (E) जोनड्यूई 5. शिक्षा की महत्वपूर्ण परिभाषायें और समझ	
इकाई – 2	शिक्षा की प्रक्रिया और उद्देश्य (09-00 घण्टा)	20 %
	1. शिक्षा की प्रक्रिया, लक्षण और महत्व 2. शिक्षा के सामान्य उद्देश्य 3. शिक्षा के वैयक्तिक उद्देश्य और सामाजिक उद्देश्य 4. शिक्षा के वैयक्तिक और सामाजिक उद्देश्यों का समन्वय	
इकाई – 3	पाठ्यक्रम और इसकी रचना के सिद्धांत (09-00 घण्टे)	20 %
	1. पाठ्यक्रम (Curriculum) और पाठ्यवस्तु (Syllabus) की संकल्पना 2. पाठ्यक्रम और पाठ्यवस्तु के बीच साम्य और भेद 3. पाठ्यक्रम निर्माण के महत्वपूर्ण सामान्य सिद्धान्त 4. पाठ्यक्रम निर्माण के लिए ध्यान में रखने योग्य मूलगत बातें	

इकाई – 4	शिक्षा और समाज (13-50 घण्टे)	30 %
	1. शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन और समाज नवनिर्माण 2. शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन और समाज नवनिर्माण के अध्यापक की भूमिका 3. बिन सांप्रदायिक्ता और भावात्मक एकता के लिए शिक्षा 4. प्रजातांत्रिक समाज और शिक्षा 5. शिक्षा की संस्थायें :परिवार, विद्यालय, समाज, व्यवसाय के स्थान और समूह प्रसार माध्यम	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. शिक्षाविदों की माहिती (शिक्षा दर्शन) संदर्भ साहित्य पुस्तकालय से इकठ्ठी करें ।
2. प्रवर्तमान उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रम का समीक्षात्मक अहवाल तैयार करें ।
3. किसी एक उत्तर बुनियादी विद्यालय की समाज परिवर्तन में भूमिका के संदर्भ में अहवाल तैयार करें ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. દેસાઈ, ધનવંત અને ગુણવંત શાહ, **શિક્ષણની વર્તમાન ફિલસૂફીઓ.** અમદાવાદ : અનડા પ્રકાશન.
2. સ્વામી વિવેકાનંદ. **કેળવણી.** રાજકોટ : શ્રી રામકૃષ્ણ આશ્રમ.
3. દવે, જયેન્દ્રે શાસ્ત્રી, **કેળવણીના તાત્વિક આધારો.** અમદાવાદ : યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
4. દવે, જયેન્દ્રે શાસ્ત્રી, **ભારતીય ચિંતકોનું શિક્ષણ ચિંતન.** અમદાવાદ : યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
5. દેસાઈ, બી. જી. **આધુનિક ભારતીય તત્વજ્ઞાન.** અમદાવાદ : યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
6. દેસાઈ, દોલતભાઈ અને બીજા. **અભ્યાસક્રમ સિદ્ધાંતો અને અભ્યાસક્રમ સંરચના.** યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
7. ભટ્ટ, મૂળશંકર. **શિક્ષકની નિષ્ઠા અને દ્રષ્ટિ.** ભાવનગર : ક્ષિતિજ પ્રકાશન.
8. શાહ, બુદ્ધિચંદ્ર અને બીજા. **શિક્ષણનું સમાજશાસ્ત્ર.** યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
9. पाठक, पी.डी. एवं त्यागी, जी.एस. **शिक्षा के सामान्य सिद्धांत**. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.
10. पाण्डे, रामशकल. **विश्व के श्रेष्ठ शिक्षाशास्त्री**. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन.
11. माथुर, एस.एस. **शिक्षा सिद्धांत.** आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.
12. पाण्डे, रामशकल. **शिक्षा दर्शन**. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.
13. मिश्र, आत्मानंद. **भारतीय शिक्षा के प्रवर्तक**. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय : गूजरात विद्यापीठ-अहमदाबाद

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.हिन्दी) पाठ्यक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र A-102 अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी...	1 अध्ययन और वर्गव्यवहार से अवगत हो । 2 अध्यापन कौशलों की जानकारी प्राप्त कर सके । 3 अध्ययन में पाठ नियोजन का महत्त्व और प्रकार से अवगत हो । 4 शैक्षिक प्रसाधन कौशल्यों का स्वरूप और महत्त्व जानकर विभिन्न शैक्षिक उपकरणों का अध्यापन कार्यमें विनियोग करे। 4 अध्ययन-अध्यापन की नूतन पद्धतियों से अवगत हो । 5 संम्प्रेषण और शैक्षिक प्रौध्योगिकी का शिक्षा में उपयोग करें। 6 क्रियात्मक संशोधन की परिभाषा समझे।	
अध्यापन कार्य		
इकाई क्रमांक	**इकाई का विवरण**	**अंक विवरण**
इकाई-1	**अध्यापन की संकल्पना और प्रयुक्तियाँ (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 अध्यापन : परिभाषा एवं प्रभावी अध्यापन के कारक । 2 अध्यापन के सूत्र : (1) ज्ञात से अज्ञात की ओर जाना (2)मूर्त से अमूर्त की ओर जाना (3)सरल से संकुल की पर जाना (4) विशेष से सामान्य की ओर जाना (5) पृथ्थकरण पर से संयोजन की ओर जाना (6) संपूर्ण पर से विभाग की ओर जाना (7) अनुभूति सिद्ध बातों पर से बुद्धिजन्य बातों की ओर (8) मनोवैज्ञानिक क्रम से तार्किक क्रम की ओर जाना 3 सूक्ष्म अध्यापन: परिभाषा, महत्त्व और सोपान 4 अध्यापन कौशल :श्यामपट कार्य, विषयाभिमुख, प्रश्न प्रवाहिता, प्रश्नगहराई, उदाहरण कौशल्य, स्पष्टीकरण, सुदृढिकरण,उत्तेजना परिवर्तन ।	
इकाई -2	**अध्यापन का नियोजन, पद्धतियाँ और अध्ययन-अध्यापन सामग्री (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 पाठ नियोजन का महत्त्व और प्रकार : माइक्रो पाठ, सेतुपाठ, संपूर्ण पाठ, प्रवृत्ति पाठ, लोक शिक्षा के पाठ, चर्चा पाठ 2 इकाई नियोजन : इकाई की संकल्पना, इकाई नियोजन का स्वरूप और महत्व 3 अध्ययन-अध्यापन की नूतन पद्धतियाँ: संकल्पना महत्व	

	और मर्यादा - जूथ चर्चा, सेमिनार, परिसंवाद, कार्यशाला, चर्चासभा, बझ सेशन, गोष्ठी, प्रकल्प, जूथ अध्यापन, स्वाध्याय, अभिनय(रोल प्ले) 4 अध्ययन-अध्यापन सामग्री : परिभाषा, महत्व, एडगर डेइल का अनुभव शंकु, सामग्री का प्रकार	
इकाई 3	**वर्गव्यवहार एवं क्रियात्मक अनुसंधान (09.00 घंटे)**	**20%**
	1 वर्गव्यवहार:परिभाषा और को प्रभावित करने वाले घटक। 2 फ्लेंन्डर्स के वर्गव्यवहार के घटक, मूल्यांकन पद्धति, महत्व और मर्यादा 3 क्रियात्मक अनुसंधान- संमप्रत्यय(परिभाषा),सोपान और महत्त्व	
इकाई-4	**सम्प्रेषण और शैक्षिक तकनीकी (13.50 घंटे)**	**30%**
	1 सम्प्रेषण : परिभाष, घटक, प्रक्रिया, व्यक्तिगत समूह माध्यम और असर कारक घटक। 2 शैक्षिक तकनीकी : परिभाषा, हार्डवेर-सोफ्टवेर अभिगम सिस्टम अभिगम 3 अभिक्रमित अध्ययन : परिभाषा स्वरूप और विनियोग 4 अध्ययन-अध्यापन में संगणक का विनियोग	

सूचीत प्रायोगिक कार्य

1 अनुभवी अध्यापकों के शिक्षण कार्य का निरिक्षण करके प्रत्यक्ष ब्यौरा तैयार करना।
2 किन्हीं दो ग्रूप अध्यापन पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3 वर्गव्यवहार के अंतर्गत होने वाले व्यवहारों का फ्लेन्डर्स के अनुसार विश्लेषण करना
4 रेडियो और टी.वी कार्यक्रमों की सूची तैयार करना और उसका शैक्षिक महत्व लिखना।

सूचीत अध्ययन सामग्री

1 शिक्षा तकनीकी(2000) शर्मा आर.ए. इन्टरनेशनल पब्लिकेशन्स हाउस, नई दिल्ली.
2 शिक्षा कला एवं शैक्षिक तकनीकी(2008) मातुर एस.एस. अग्रवाल पब्लिकेशन्स-आगरा.
3 सैक्षिक तकनीकी(2007). सिंह योगेश कुमार. युनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-A-103 :बुनियादी शिक्षा का विकास और तत्त्वदर्शन

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. बुनियादी शिक्षा की संकल्पना जाने । 2. बुनियादी शिक्षा का उद्दभव और विकास जाने । 3. बुनियादी शिक्षा से सम्बन्धित गांधीजी का दर्शन समझे । 4. गुजरात में कार्यरत बुनियादी शिक्षण की विविध संस्थाओं की समझ प्राप्त करें ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	बुनियादी शिक्षा का उद्‌भव और विकास (13-50 घण्टे)	30 %
	1. बुनियादी शिक्षा के वैचारिक विकास के काल का परिचय । 2. बुनियादी शिक्षा (नई तालीम) की संकल्पना और व्यापक अर्थ । 3. बुनियादी शिक्षा के विकास के ऐतिहासिक सोपान (1937 से आज पर्यन्त) का परिचय । 4. नयी तालीम समग्र जीवन की तालीम :पूर्व बुनियादी, बुनियादी, उत्तर बुनियादी, उच्चतर उत्तर बुनियादी और उत्तम बुनियादी, बुनियादी शिक्षक – प्रशिक्षण, आजीवन नयी तालीम का अध्ययन	
इकाई – 2	गांधीजी के शिक्षा के प्रयोग (09-00 घण्टा)	20 %
	1. दक्षिण अफ्रिका में शिक्षा के प्रयोग : परिवार में शिक्षा के प्रयोग – 1897 फिनिक्स आश्रम में शिक्षा के प्रयोग – 1904 टोलस्टोय आश्रम में शिक्षा के प्रयोग – 1910 2. भारत में शिक्षा के प्रयोग : सत्याग्रह आश्रम, (कोचरब आश्रम) में शिक्षा के प्रयोग हरिजन आश्रम साबरमती में शिक्षा के प्रयोग बिहार के चंपारन जिले में लोकशिक्षण के प्रयोग	
इकाई – 3	वर्धा शिक्षण योजना और बुनियादी शिक्षा के मूलभूत तत्व (13.50 घण्टे)	30 %
	1. वर्धा परिषद में गांधी जी के द्वारा पेश की गई शिक्षा की रूपरेखा । 2. वर्धा परिषद के प्रमुख प्रस्ताव ।	

इकाई – 4	शिक्षा और समाज (13-50 घण्टे)	30 %
	1. शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन और समाज नवनिर्माण 2. शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन और समाज नवनिर्माण में अध्यापक की भूमिका 3. बिन सांप्रदायिक्ता और भावात्मक एकता के लिए शिक्षा 4. प्रजातांत्रिक समाज और शिक्षा 5. शिक्षा की संस्थायें :परिवार, विद्यालय, समाज, व्यवसाय के स्थान और समूह प्रसार माध्यम	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. किसी एक बुनियादी विद्यालय की मुलाकात लेकर अहवाल तैयार करना ।
2. बुनियादी विद्यालय के पोषक कार्यक्रमों का आयोजन करके अहवाल तैयार करना ।
3. 'गांधीजी की आत्मकथा' और 'केलवणी वडे क्रान्ति' पुस्तकों का समीक्षात्मक अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. ચંદ્રકાન્ત ઉપાધ્યાય, બુનિયાદી શિક્ષણની ઐતિહાસિક અને વૈચારિક વિકાસયાત્રા, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર, અમદાવાદ-14.
2. મગનભાઈ પટેલ, ગાંધીજીનું શિક્ષણ દર્શન, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર, અમદાવાદ-14.
3. અમરસિંહ સોલંકી, બુનિયાદી કેળવણીની રૂપરેખા, ગુજરાત યુનિવર્સિટી, નવરંગપુરા, અમદાવાદ-09.
4. નરોત્તમભાઈ પટેલ, ગુજરાતમાં નઈ તાલીમ દર્શન અને વિકાસ, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર, અમદાવાદ-14.
5. ચંદ્રકાન્ત ઉપાધ્યાય, અનુબંધ (સમવાય)ની સંકલ્પના, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર, અમદાવાદ-14.
6. ઝાકીરહુસેન સમિતિના નિવેદનનો અનુવાદ, વર્ધા શિક્ષણ યોજના, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ, અમદાવાદ-14.
7. શાસ્ત્રી જયેન્દ્ર દવે, ભારતીય ચિંતકોનું શિક્ષણ ચિંતન, યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ.
8. शिवदत्त मिश्र, (2006) समग्र नयी तालीम, नयी तालीम समिति आश्रम सेवाग्राम, वर्धा एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति राजघाट, नयी दिल्ही, प्रथम संस्करण ।
9. डॉ. रामशकल पाण्डेय, विश्व के श्रेष्ठ शिक्षाशास्त्री, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा-7, ग्यारहवाँ संस्करण 2007-08.
10. धीरेन्द्र मजमूदार, समग्र नयी तालीम, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, राजघाट, वाराणसी ।
11. अमरसिंह सोलंकी, बुनियादी शिक्षा में अनुबंध की कला, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-14.
12. मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट, (1957) भारत में बुनियादी शिक्षा, शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ।
13. द्वारिकानाथ खोसला, (1997) अधिगमः अन्तर्निष्ठ निधि, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषक, नई दिल्ली-02
14. दीपक महेता, (2000) शिक्षण भीतरनो खजानो, युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, अहमदाबाद ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-A-204 : अध्येता स्वरूप और विकास

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. मनोविज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान की संकल्पना, स्वरूप और कार्यक्षेत्र जाने । 2. मानव विकास के विविध सोपान और किशोर अध्येताओं के संदर्भ में विकास की समझ प्राप्त करे । 3. अध्ययन सिद्धांतो के अंतर्गत अध्ययन प्रक्रियायों को समझे । 4. अभिप्रेरण और अध्ययन संक्रमण को समझे । 5. बुद्धि, बुद्धि के सिद्धांत, अभियोग्यता और व्यक्तित्व के सम्बन्ध को जाने । 6. वैयक्तिक भेद, विशिष्ट बच्चें, अनुकूलन और मानसिक स्वास्थ्य का महत्त्व समझे । 7. शैक्षिक मनोविज्ञान के ज्ञान का अध्ययन – अध्यापन में उपयोग करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	मनोविज्ञान और अध्येता का स्वरूप (11.25 घण्टे)	25 %
	1. मनोविज्ञान और शैक्षिक मनोविज्ञान की संकल्पना, स्वरूप और कार्यक्षेत्र । 2. शैक्षिक मनोविज्ञान की शिक्षक के लिए उपयोगिता । 3. शैक्षिक मनोविज्ञान की अध्ययन पद्धतियों (व्यक्ति अभ्यास, सामाजिकतामिति) 4. वृद्धि और विकास :संकल्पना और भेद, वृद्धि और विकास को प्रभावित करनेवाले कारक । 5. किशोरावस्था :लक्षण, किशोरावस्था में विभिन्न प्रकार का विकास, आवश्यकताएँ, अपेक्षाएँ और समस्याएँ । 6. यौन शिक्षा और किशोरों को मार्गदर्शन ।	
इकाई – 2	अध्ययन, अभिप्रेरणा और अध्ययन संक्रमण (11.25 घण्टे)	25 %
	1. अध्ययन का स्वरूप :अध्ययन के सिद्धांत और शैक्षिक फलितार्थ । (पावलोव, स्कीनर, थोर्नडाईक और कोहलर) 2. अभिप्रेरणा : परिभाषा, अभिप्रेरण को असर करनेवाले कारक और महत्त्व 3. मेस्लो और मेकलेलेन्ड के अभिप्रेरण के सिद्धांत	

	4. अध्ययन संक्रमण :परिभाषा, प्रकार और शैक्षिक फलितार्थ	
इकाई – 3	बुद्धि, अभियोग्यता और व्यक्तित्व (11.25 घण्टा)	25 %
	1. बुद्धि :परिभाषा, स्वरूप, प्रकार और सिद्धांत (स्पियरमेन, गिलफर्ड और बहुपरिमाणीय बुद्धि – गार्डनर) 2. बुद्धिमापन :शाब्दिक और अशाब्दिक बुद्धिमापन गुजरात में उपलब्ध बुद्धि कसौटीओं का परिचय 3. अभियोग्यता :परिभाषा, महत्व, अभियोग्यता कसौटीयाँ और उपयोगिता 4. व्यक्तित्व :परिभाषा, प्रकार, व्यक्तित्व विकास को असर करनेवाले कारक	
इकाई – 4	व्यक्तिगत भेद, विशिष्ट बच्चे और अनुकूलन (11.25 घण्टे)	25 %
	1. व्यक्तिगत भेद :परिभाषा, प्रकार कारण और शैक्षिक फलितार्थ, व्यक्तिगत भेद का क्षेत्र :बुद्धि और अभियोग्यता 2. विशिष्ट बच्चे :परिभाषा, वर्गीकरण, बच्चों के लिए शैक्षिक व्यवस्था 3. अनुकूलन और अपानुकूलन :परिभाषा और लक्षण, अपानुकूलन के कारण, विद्यालय में अनुकूलन । बचाव प्रयुक्तियों :अर्थ और शैक्षिक फलितार्थ (प्रक्षेपण, तादात्मय, क्षतिपूर्ति, यौक्तिकीकरण, पीछेहटना और उर्ध्वीकरण) 4. मानसिक स्वास्थ्य :परिभाषा और शिक्षक की भूमिका	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. किसी एक वर्गखंड के किशोर की समस्या जानकर उसका हल ढूंढके संक्षिप्त ब्यौरा तैयार करना ।
2. किसी एक बुद्धि कसौटी, अभियोग्यता कसौटी का संचालन एवं अर्थघटन करके संक्षिप्त ब्यौरा तैयार करना ।
3. उत्तर बुनियादी विद्यालय के कोई एक छात्र का व्यक्ति अभ्यास करके ब्यौरा तैयार करना ।
4. उत्तर बुनियादी विद्यालय की पूर्व नियोजित मुलाकात लेकर शिक्षा संबंधित अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. शाह, गुणवंत अने पंड्या, कुलीन. (1993 तृतीय आवृत्ति), शैक्षणिक मनोविज्ञान, अमदावाद, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गुजरात ।
2. हरलोक, बी. अनुवाद कानावाली, एस सी. (1975), विकासलक्षी मनोविज्ञान, अमदावाद, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गुजरात ।
3. पटेल, चंद्रकान्त (1975), बाल मनोविज्ञान, अमदावाद, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गुजरात ।
4. परीख, बी. ए. (1989), प्रगत सामान्य मनोविज्ञान, अमदावाद, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गुजरात
5. देसाई, के. जी. (1994, द्वितीय आवृत्ति), शैक्षणिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन, अमदावाद, युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गुजरात ।
6. मिश्रा, महेन्द्रकुमार (2007), शिक्षा मनोविज्ञान एक परिचय, जयपुर, युनिवर्सिटी बुक हाउस प्रा. लि. ।
7. पाठक, आर. पी. (2007), शिक्षा मनोविज्ञान एक परिचय, नई दिल्ली, राधा पब्लिकेशन ।
8. Agrawal, Pushpa (1993), Children's Education and Maturation Process. New Delhi, Deep & Deep Publication.
9. Dash, Murlidhar, (1998) Educational Psychology, New Delhi, Deep & Deep Publication.
10. Morse, Williams & Others (1970, 3rd Ed.) Psychology and Teaching, Bomabay, D. B. Tarapolwala Sons & Co.
11. John, D. (1971) Twoards Community Mental Health, Sutherland USA, Tavistok Publication.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय : गूजरात विद्यापीठ-अहमदाबाद

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.हिन्दी) पाठ्यक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र A-205 : शिक्षा की समस्याएँ प्रवाह और मापन मूल्यांकन

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी...	1 प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के विकास से अवगत हो 2 प्राथमिकऔर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा की समस्याओंसे अवगत हो 3 शिक्षा के गुणवत्ता सुधार के कार्यक्रमों से परिचित हो सके। 4 विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं का परिचय प्राप्त करें। 5 मापन, मूल्यांकन और सांख्यिकी की परिचय प्राप्त करें।	
अध्यापन कार्य		
इकाई क्रमांक	**इकाई का विवरण**	**अंक विवरण**
इकाई-1	**प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर शिक्षा की समस्याएँ (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का विकास 2 प्राथमिक शिक्षा का सार्वत्रीकरण एवं शिक्षा प्राप्त करने का अधिनियम2009 (Right To Education Act-2009) 3 प्राथमिक शिक्षा में नामांकन, स्थायीकरण एवं गुणवत्ता 4 माध्यमिक स्तर पर व्यवसायलक्षी शिक्षा : महत्व, समस्याएँ एवं दूर करने के सुझाव 5 माध्यमिक शिक्षा का सार्वत्रीकरण (Rastriya Madhyamik Shikshan Abhiyan) 6 समानता के लिए शिक्षा : कन्याओं की शिक्षा, S.T., S.C., OBC छात्रों की शिक्षा,अल्प संख्यक, विशिष्ट प्रतिभावान बालकों की शिक्षा, विकलांग बालकों की	
इकाई -2	**शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के कार्यक्रम एवं शैक्षिक संस्थाएँ (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 सर्वशिक्षा अभियान :संकल्पना, महत्व एवं कार्यक्रमों का विनियोग 2 बोझ मुक्त शिक्षा : संकल्पना, महत्व एवं कार्यक्रम 3 विद्यालयी सतत एवं सर्वग्राही मूल्यांकन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्व 4 शिक्षक प्रशिक्षण की संस्थाओं का परिचय (NCERT, NCTE, GCERT, IASE, DIET के उद्देश्य एवं भूमिका	

इकाई 3	**शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन (06.75 घंटे)**	**15%**
	1 मापन एवं मूल्यांकन : संकल्पना, प्रकार एवं भेद 2 शैक्षिक मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान 4 प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर मूल्यांकन की प्रक्रिया	
इकाई-4	**शैक्षिक सांख्यिकी (15.75 घंटे)**	**35%**
	1 शैक्षिक सांख्यिकीकी संकल्पना एवं शिक्षक के लिए उपयोगिता। 2 आवृत्ति वितरण पर आधारित आरेख (स्तभारेख, आवृत्ति बहुकोण) 3 केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान संकल्पना एवं गिनती(मध्यक, मध्यस्थ,बहुलांक) 4 विचलन के मान संकल्पना एवं गिनती (प्रसार पादस्थ विचलन, मानक विचलन)	

सूचीत प्रायोगिक कार्य

1 GCERT/IASE/CTE/DIET/GSEB/GSTB में से किन्हीं एक संस्थान की मुलाकात लेकर ब्यौरा तैयार करना

2 उत्तर बुनियादी विद्यालय की किन्हीं एक कक्षा के विद्यालयी सतत-सर्वग्राही मूल्यांकन का अध्ययन करना

3 किन्हीं एक संस्थान की मुलाकात लेकर ब्यौरा तैयार करना (नवोदय विद्यालय, उत्तर बुनियादी विद्यालय, आश्रमशाला)

सूचीत अध्ययन सामग्री

1 भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ (2009) पी.डी.पाठक, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा-2

2 आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन(1999) गुप्ता एस.पी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

3 पटेल आर.एस (2008). शैक्षणिक संशोधन माटे आंकडाशास्त्रीय पद्धति अमदावाद जय पब्लिकेशन

4 पटेल मोतीभाई अने अन्य(2008). शिक्षणनी विस्तरती क्षितिजो.अमदावाद: बी.एस.शाह प्रकाशन

5 दवे महेश(2010).बाळकोने नि:शुल्क अने फरजियात शिक्षण अधिकार बक्षतो धारो-2009. अमदावाद: स्वमान प्रकाशन

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-A-206 : शिक्षा में कम्प्यूटर

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. कम्प्यूटर का इतिहास एवं विकास के बारे में जाने । 2. इन्फर्मेशन टेक्नोलोजी की आवश्यकता से परिचित हो सके । 3. ऑफिस ओटोमेशन एवं प्रदर्शन सोफ्टवेर का शिक्षाकार्य में उपयोग करें । 4. इन्टरनेट एवं मल्टीमिडीया कौशल हस्तगत करें । 5. इन्फर्मेशन टेक्नोलोजी का शिक्षा में उपयोग करने का ज्ञान प्राप्त करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	कम्प्यूटर की संरचना, इनपुट – आउटपुट की रचना (13.50 घण्टे)	30 %
	1. कम्प्यूटर का इतिहास :पीढी के संदर्भ में समानता और भेद । 2. कम्प्यूटर के मुख्य हिस्से एवं उनकी रचनाएँ । 3. कम्प्यूटर के प्रकार (1) कार्य के संदर्भ में (2) विकास के संदर्भ में । 4. इनपुट साधन, आउटपुट साधन और इनपुट, आउटपुट साधन (कम्प्यूटर पेरिफरल्स) 5. कम्प्यूटर स्मृति के प्रकार और मापन ।	
इकाई – 2	ओपरेटींग सिस्टम और एप्लिकेशन सोफ्टवेर (9.00 घण्टे)	20 %
	1. सोफ्टवेर :परिभाषा एवं प्रकार (ओपरेटींग सिस्टम, एप्लिकेशन सोफ्टवेर) 2. डोस (Dos) और विन्डोझ (Windows) : परिभाषा और विशेषताएँ । 3. कम्प्यूटर की भाषाएँ : उच्चस्तरीय एवं निम्नस्तरीय परिभाषा एवं नाम 4. कम्प्यूटर वायरस : वायरस से बचाव और वायरस को दूर करने के उपाय ।	
इकाई – 3	कम्प्यूटर नेटवर्क (13.50 घण्टे)	30 %
	1. नेटवर्क एवं उनके प्रकार (LAN, WAN, MAN, INTERNET) 2. इन्टरनेट : परिभाषा और उपयोग । 3. वेबसाईट, WWW, वेबपेज, URL, ब्लोग, सर्च एन्जिन, ISP, सायबर क्राइम और ब्राउझर का अर्थ एवं उपयोग । 4. ई-मेईल और चेट :अर्थ, लाभ एवं हानि ।	

	5. सोश्यल नेटवर्कींग (फेसबुक) : लाभ एवं हानि ।	
इकाई – 4	इन्फर्मेशन टेक्नोलोजी एवं मल्टीमीडिया का शिक्षा में उपयोग (9.00 घण्टे)	20 %
	1. इन्फर्मेशन टेक्नोलोजी : परिभाषा, शिक्षा में उपयोग । 2. वर्च्युअल क्लासरुम, विडीयो कोन्फरन्सींग, कम्प्यूटर आसिस्टेड लर्निंग (CAL) 3. कम्प्यूटरीकृत मल्टीमिडीया : अर्थ एवं उपयोगिता ।	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. MS Word में परिचय एवं आवेदन पत्र तैयार करना । जिस में वर्तनी, पन्ने की रूपरेखा, तालिका आदि ध्यान में रखना ।
2. MS Excel में अंकपत्र एवं समयपत्रक तैयार करना । फोर्मेट, फंकशन, टेम्पलेट एवं चार्ट तैयार करना ।
3. किसी एक विषय की किसी इकाई के लिए कम से कम पाँच स्लाईड तैयार करना एवं उसमें पावर – पोईन्ट की लाक्षणिक्ताओं का उपयोग करना ।
4. ई-मेईल एकाउन्ट खुलवाना एवं ई – मेईल करना ।
5. शैक्षिक वेबसाईट (Gujarat Vidyapith, GCERT, NCERT, NCTE, UGC, GSEB) की मुलाकात लेनाएवं अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. निरजसिंह, कम्प्यूटर शिक्षा (2007) विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
2. N. B. Chauhan & Other', Information Technology for Agricultural Production, Education & Management. Delhi : Satish Serial Publication House, Express Tower, Azadpur.
3. V. P. Ramanujam (2001 1st Ed.) Computer Education. New Delhi : A Mittal Publication, Ansari Road.
4. Julio Sanchez, Maria P. Conton (1992), IBM Micro Computer Assembly L. in 10 Programming Lession, Prentice Hall, Englewood cliffs, New Jersey.
5. T. M. Samuel, Maria Samuel (2008), Handbook of I. T. New Delhi : Commonwealth Publication, Ansari Road.
6. April Marine & Others Internet : Getting Started. New Jersey : PTR Prentice Hall, Eaglewood Cliffs.
7. Brenden Tangney (1998), Local area Networks and their applications. UK : Brenden Tangney Prentice Hall, International Ltd.
8. Mujibul Hasan Siddiqui (2007), Technology in Teacher Education, New Delhi : APH Publishing Corporation, Ansari Road, Dariya Ganj.
9. अंबासना अनिल, नेटवर्क टेक्नोलोजी, राजकोट : शिक्षणशास्त्र भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी ।
10. अंबासना अनिल, तमारा कम्प्यूटर ने ओणखो, राजकोट : शिक्षणशास्त्र भवन, सौराष्ट्र युनिवर्सिटी ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम : सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-B-101 : हिन्दी शिक्षण पद्धति

कुल अंक - 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी...	1. हिन्दी भाषा का महत्व और अन्य भाषा से अवगत हो सके। 2. हिन्दी भाषा शिक्षण की पाठ योजना से अवगत हो सके। 3. हिन्दी भाषा शिक्षण के विभिन्न कौशलों से अवगत हो सके। 4. हिन्दी भाषा में गद्य, पद्य, व्याकरण एवं रचना शिक्षण की विधियों से अवगत हो सके।	
सैद्धांतिक कार्य		
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई-1	**मातृभाषा तथा अन्य भाषा (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. भाषा की परिभाषा और हिन्दी शिक्षा का महत्व 2. एकाधिक भाषाएँ सीखने की उपयोगिता 3. भाषा-1 तथा भाषा-2 में अंतर 4. हिन्दी शिक्षा के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य	
इकाई-2	**पाठ योजना और प्रकार (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. पाठ योजना : संकल्पना और महत्व 2. हेतुलक्षी पाठयोजना और इकाई पाठयोजना 3. पाठ निरीक्षण एवं पाठ सुधार के प्रयास 4. हिन्दी शिक्षण में पाठ योजना : सूक्ष्म शिक्षण, प्रवृत्ति पाठ, समवाय पाठ, लोक शिक्षा के पाठ	
इकाई-3	**भाषा शिक्षा के कौशल और उपकरण (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. श्रवण कौशल का अर्थ और विधियाँ : (अ) वाद-विवाद (ब) भाषण (क) कहानी कथन (ड) श्रुतलेखन 2. भाषण कौशल का अर्थ और विधियाँ : (अ) कविता पाठ (ब) चित्र वर्णन (क) वार्तालाप (ड) स्वतंत्र-प्रस्तुतीकरण (इ) सस्वरवाचन 3. वाचन कौशल का अर्थ और विधियाँ : (अ) देखो और कहो विधि (ब) वाक्य विधि (क) अनुकरण विधि (ड) प्रदर्शन विधि (इ) वर्णोच्चार विधि 4. लेखन कौशल का अर्थ और विधियाँ : (अ) अनुकरण पद्धति (ब) अनुलेखन पद्धति (क) श्रुत लेखन (ड) ढाँचे पर से कहानी लेखन 5. स्वनिर्मित, दृश्य, श्राव्य और दृश्य-श्राव्य शैक्षिक उपकरणों का उपयोग	
इकाई-4	**हिन्दी भाषा शिक्षा में गद्य, पद्य, व्याकरण और रचना शिक्षण की विधियाँ (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. गद्य शिक्षण की विधियाँ : 1. प्रत्यक्ष विधि 2. परोक्ष विधि 3. अभिक्रमित स्वाध्याय विधि 4. गहन विधि 5. व्याख्यान विधि 6. स्वाध्याय विधि 7. प्रकल्प विधि 8. वर्कशोप विधि 9. चलचित्र विधि 10. नाट्यीकरण विधि	

	2. पद्य शिक्षण की विधियाँ : 1. गीत तथा अभिनय प्रणाली 2. अर्थ बोध विधि 3. व्याख्या प्रणाली 4. खन्डान्वय प्रणाली 5. तुलनात्मक प्रणाली 6. समीक्षा प्रणाली 7. टेप रिकार्डर का विनियोग 3. व्याकरण शिक्षण की विधियाँ : 1. आगमन विधि 2. निगमन विधि 3. समवाय विधि 4. चित्र विधि 5. प्रकल्प विधि 6. व्याकरण अनुवाद विधि 4. रचना शिक्षण की विधियाँ : 1. चित्र वर्णन विधि 2. उदबोधन विधि 3. ढाँचे पर से कहानी लेखन 4. सुनो और कहो विधि 5. निबंध लेखन 6. संक्षेपी करण विचार विस्तार 7. प्रसंग वर्णन 8. देखो और रचो प्रणाली	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. भाषा प्रयोगशाला का उच्चारशुद्धि के लिए प्रयोग करना ।
2. हिन्दी प्रचार-प्रसार की संस्था की मुलाकात लेकर टिप्पणी लिखना ।
3. किसी इकाई का अध्यापन कार्य करने हेतु स्वनिर्मित शैक्षिक उपकरण का निर्माण करके अध्यापन कार्य में प्रयोग करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

कृष्णबिरसिंह.(2007). ***हिन्दी शिक्षण***. जयपुर. युनिवर्सिटी बुक हाउस.

कौशिक, डी.(1972). ***हिन्दी भाषा का शिक्षण***. लुधियाना : शारदा ब्रधर्स

गिरिराज किशोर और नागर. (1987). ***राष्ट्रभाषा की शिक्षा***. बड़ौदा : आचार्य बुक डिपो.

गुप्ता, मनोरमा.(1985). ***भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि***. आगरा : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान.

चक्रवर्ती, सु.दे. (1994). ***भारत में दृश्य श्राव्य तकनीकी***. कोलकाता : सुजीन्द्रकुमार प्रकाशन.

जैन, एम.(1967). ***अन्य भाषा शिक्षण***. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

नामदार, सावित्री.(2006) ***सफल हिन्दी शिक्षण***. दिल्ही. पुष्पांजली प्रकाशन.

निरंजनकुमारसिंह.(1981). ***माध्यमिक विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण***. जयपुर. राजस्थान ग्रंथ अकादमी.

पाण्डये, रामकमल.(2007). ***हिन्दी संरचना***. मैसुर : पद्मा इंटरप्रईजेज.

पाण्डये, रामकमल और रागिनी आर.(2007). ***पाठ संकल्पना, शिक्षण और नियोजन***. मैसुर : पद्मा इंटरप्रईजेज.

राणा, महेन्द्रसिंह.(2004) ***आधुनिक हिन्दी शिक्षण व्यवस्था***. आगरा. हर्ष प्रकाशन.

शर्मा, लक्ष्मीनारायण.(1994). ***भाषा-1-2 की शिक्षण विधियाँ और पाठ-नियोजन***. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

शर्मा, लक्ष्मीनारायण.(1996). ***शिक्षण पद्धतियाँ***. दिल्ली. राधा पब्लिकेशन.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम : सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-B-201 : हिन्दी शिक्षण पद्धति

कुल अंक - 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी...	1. हिन्दी भाषा के नवीन उपागम से अवगत हो सके। 2. हिन्दी भाषा शिक्षक, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक का परिचय प्राप्त करें । 3. हिन्दी भाषा में मूल्यांकन एवं अनुसंधान से अवगत हो सके। 4. हिन्दी विषय संबंधी संस्था, मंड़ल और सामायिकों से अवगत हो सके।	
सैद्धांतिक कार्य		
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई-1	**भाषा शिक्षा के नवीन उपागम (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. हिन्दी भाषा प्रयोगशाला का अर्थ, रचना एवं महत्व 2. भाषा प्रयोगशाला और शैक्षिक तकनीकी का विनियोग 3. हिन्दी विषय अध्यापन में संगणक का विनियोग 4. प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में हिन्दी अध्यापन के नविन उपागम	
इकाई -2	**हिन्दी भाषा शिक्षक, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. हिन्दी भाषा शिक्षक की शैक्षिक एवं भाषाई योग्यता 2. पाठ्यक्रम एवं अभ्यासक्रम में अंतर 3. पाठ्यपुस्तक का आंतरिक एवं बाह्य स्वरूप 4. हिन्दी के पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन	
इकाई-3	**हिन्दी भाषा शिक्षा में मूल्यांकन एवं अनुसंधान (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. प्रश्नपत्र निर्माण एवं त्रिपरिमाण दर्शक कोष्टक 2. हिन्दी विषय में मूल्यांकन से संबंधित विभिन्न कसौटियाँ 3. हिन्दी विषय में क्रियात्मक अनुसंधान का अर्थ एवं विनियोग 4. हिन्दी भाषा शिक्षा में किन्हीं एक समस्या के संदर्भ में क्रियात्मक अनुसंधान करना	
इकाई-4	**हिन्दी विषय संबंधी संस्था, मंड़ल और सामायिक (11.25 घंटा)**	**25%**
	1. हिन्दी के प्रचार-प्रसार की संस्थाएँ 2. हिन्दी विषय संबंधी मंड़ल : शिक्षकों के मंड़ल, छात्रों के मंड़ल 3. हिन्दी विषय के संदर्भ में प्रकाशित सामायिक (गुजरात प्रदेश के संदर्भ में) 4. हिन्दी के प्रचार-प्रसार में संस्था, मंड़ल और सामायिकों का योगदान	
सूचित प्रायोगिक कार्य		
1. व्याकरण शिक्षण हेतु दो शैक्षिक उपकरण तैयार करना । 2. कक्षा 9वीं या 10वीं में से किसी एक पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन करना । 3. इकाई पाठ के मूल्यांकन हेतु आदर्श प्रश्नपत्र की रचना करना ।		

सूचित अध्ययन सामग्री

कृष्णबिरसिंह.(2007). ***हिन्दी शिक्षण***. जयपुर. युनिवर्सिटी बुक हाउस.

कौशिक, डी.(1972). ***हिन्दी भाषा का शिक्षण***. लुधियाना : शारदा ब्रधर्स

गिरिराज किशोर और नागर. (1987). ***राष्ट्रभाषा की शिक्षा***. बड़ौदा : आचार्य बुक डिपो.

गुप्ता, मनोरमा.(1985). ***भाषा शिक्षण सिद्धांत और प्रविधि***. आगरा : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान.

चक्रवर्ती, सु.दे. (1994). ***भारत में दृश्य श्राव्य तकनीकी***. कोलकाता : सुजीन्द्रकुमार प्रकाशन.

जैन, एम.(1967). ***अन्य भाषा शिक्षण***. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

नामदार, सावित्री.(2006) ***सफल हिन्दी शिक्षण***. दिल्ही. पुष्पांजली प्रकाशन.

निरंजनकुमारसिंह.(1981). ***माध्यमिक विद्यालयों में हिन्दी शिक्षण***. जयपुर. राजस्थान ग्रंथ अकादमी.

पाण्डये, रामकमल.(2007). ***हिन्दी संरचना***. मैसुर : पद्मा इंटरप्रईजेज.

पाण्डये, रामकमल और रागिनी आर.(2007). ***पाठ संकल्पना, शिक्षण और नियोजन***. मैसुर : पद्मा इंटरप्रईजेज.

राणा, महेन्द्रसिंह.(2004) ***आधुनिक हिन्दी शिक्षण व्यवस्था***. आगरा. हर्ष प्रकाशन.

शर्मा, लक्ष्मीनारायण.(1994). ***भाषा-1-2 की शिक्षण विधियाँ और पाठ-नियोजन***. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर.

शर्मा, लक्ष्मीनारायण.(1996). ***शिक्षण पद्धतियाँ***. दिल्ली. राधा पब्लिकेशन.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम : सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र- B-102 : ગુજરાતી શિક્ષણ પદ્ધતિ

कुल अंक - 50

शैक्षणिक हेतुओ	
प्रशिक्षणार्थीओ..	1. માતૃભાષા શિક્ષકની સજ્જતા જાણે. 2. માતૃભાષા શિક્ષણનાં સામાન્ય હેતુઓ અને વિશિષ્ટ હેતુઓ જાણે. 3. માતૃભાષા શિક્ષણનાં સામાન્ય હેતુઓ અને વિશિષ્ટ હેતુઓની રચના કરે. 4. માતૃભાષા શિક્ષણનાં પાઠ આયોજન બનાવે. 5. માતૃભાષા શિક્ષણનાં મૂળભૂત કૌશલ્યો વિશે જાણે. 6. માતૃભાષા શિક્ષણનાં મૂળભૂત કૌશલ્યોનાં વિકાસની પ્રવૃત્તિઓ કરે. 7. માતૃભાષા શિક્ષણની વિવિધ પદ્ધતિઓથી શિક્ષણકાર્ય કરે. 8. માતૃભાષા શિક્ષણની વિવિધ પદ્ધતિઓની ઉપયોગિતા અને મર્યાદા જાણે.

सैद्धांतिक कार्य		
એકમ ક્રમાંક	**એકમના મુદ્દા**	**ગુણભાર**
એકમ-1	**માતૃભાષા શિક્ષણના હેતુઓ અને શિક્ષક (13.50 કલાક)**	**30 %**
	1. સામાન્ય હેતુઓ અને વિશિષ્ટ હેતુઓનું સ્પષ્ટીકરણ 2. હેતુઓ રચતી વખતે ધ્યાનમાં રાખવાની બાબત 3. હેતુઓ દર્શાવવાની મેજર અને ગ્રોનલૂન્ડની રીત 4. માતૃભાષા શિક્ષકની સજ્જતા	
એકમ-2	**માતૃભાષા શિક્ષણનું આયોજન (09.00 કલાક)**	**20 %**
	1. પાઠ આયોજનનાં ઘટકો , છૂટા પાઠ અને એકમ પાઠ, ગદ્ય-પદ્ય, વ્યાકરણ અને લેખન તથા મૂળભૂત કૌશલ્યોનાં પાઠ 2. વિવિધ પ્રકારના પાઠ આયોજનો : સામ્ય-વૈષમ્ય	
એકમ-3	**માતૃભાષાનાં મૂળભૂત કૌશલ્યો (09.00 કલાક)**	**20 %**
	સંકલ્પના, ઘટકો , વિકાસની પ્રવૃત્તિઓ અને નિદાન-ઉપચાર કાર્યક્રમ 1. શ્રવણ 2. કથન 3. વાચન 4. લેખન	
એકમ-4	**માતૃભાષા શિક્ષણની પદ્ધતિઓ (13.50 કલાક)**	**30 %**
	સ્વરૂપ, ઉપયોગિતા અને મર્યાદાઓ 1. આગમન 2. નિગમન 3. નિરીક્ષિત અભ્યાસ 4. પ્રકલ્પ	

	5. સંશ્લેષણ 6. વ્યાખ્યાન	

સૂચિત પ્રાયોગિક કાર્ય

1. માતૃભાષા શિક્ષણનાં વિશિષ્ટ હેતુઓની રચના કરે.
2. માતૃભાષા શિક્ષણનાં ભાગરૂપે ગદ્ય,પદ્ય અને વ્યાકરણનાં એકમો માટે પાઠ આયોજન તૈયાર કરે.
3. માતૃભાષાનાં મૂળભૂત કૌશલ્યોનાં વિકાસની પ્રવૃત્તિઓ કરે.
4. વિભિન્ન શિક્ષણ પદ્ધતિઓથી શિક્ષણકાર્ય કરે.

સૂચિત અધ્યયન સામગ્રી

ગુપ્ત, મ.(2011). ***भाषा शिक्षण सिध्धांत और प्रविधि***. આગરા : કેન્દ્રીય હિન્દી સંસ્થાન.

ત્રિવેદી, (1955). ***માતૃભાષાનું અધ્યાપન***. અમદાવાદ : રવાણી પ્રકાશન.

દવે, જ.(1982). ***કવિતાનું શિક્ષણ***. (પ્રથમ આ.). વલ્લભવિદ્યાનગર : સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી.

પટેલ, અને અન્ય.(2002). ***ગુજરાતી અધ્યાપનનું પરિશીલન***. અમદાવાદ : બી.એસ.શાહ પ્રકાશન.

પટેલ, અને અન્ય.(2003). ***ગુજરાતી અધ્યાપનનું પરિશીલન***. અમદાવાદ : નીરવ પ્રકાશન.

શ્રીવાસ્તવ, (1979). ***भाषाशिक्षण***. નઈ દિલ્હી : દ મેકમિલન કંપની.

ક્ષત્રિય, ક.(1982). ***માતૃભાષા શિક્ષણ*** (સાતમી આ.).. આગરા : વિનોદ પુસ્તક મંદિર.

હિન્દી શિક્ષક મહાવિદ્યાલય, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ, અહમદાબાદ – 380 014

હિન્દી શિક્ષા વિશારદ (બી.એડ્. – હિન્દી) અભ્યાસક્રમ : સેમેસ્ટર-2

પ્રશ્નપત્ર- B-202 : ગુજરાતી શિક્ષણ પદ્ધતિ

કુલ અંક - 50

શૈક્ષણિક હેતુઓ		
પ્રશિક્ષણાર્થીઓ..	1. પ્રશ્નના વિવિધ પ્રકાર જાણે. 2. આદર્શ પ્રશ્નપત્રનાં લક્ષણો જાણે. 3. ત્રિ-પરિમાણદર્શી સારણની રચના કરે. 4. માતૃભાષા શિક્ષણની વિવિધ ,પ્રયુક્તિઓ અને તેની ઉપયોગિતા જાણે. 5. માતૃભાષા શિક્ષણની વિવિધ સહઅભ્યાસક પ્રવૃત્તિઓ અને તેનું મહત્વ જાણે. 6. માતૃભાષા શિક્ષણને અસરકારક બનાવતા સાધનો, તેના પ્રકાર અને ઉપયોગિતા વિશે જાણે. 7. માતૃભાષા સંબંધિત મંડળો, સંસ્થાઓ અને સામયિકોથી પરિચિત બને. 8. માતૃભાષા શિક્ષણનાં પાઠ્યપુસ્તકની સમીક્ષા કરે.	
સૈદ્ધાંતિક કાર્ય		
એકમ ક્રમાંક	**એકમના મુદ્દા**	**ગુણભાર**
એકમ-1	**માતૃભાષા શિક્ષણનું મૂલ્યાંકન (13.50 કલાક)**	**30 %**
	1. નિબંધ, ટૂંકજવાબી અને અનાત્મલક્ષી પ્રકારના પ્રશ્નોની રચના, મહત્વ અને મર્યાદા 2. ત્રિ-પરિમાણદર્શક સારણી અને પ્રશ્નપત્ર સંરચના 3. આદર્શ પ્રશ્નપત્રનાં લક્ષણો	
એકમ-2	**માતૃભાષા શિક્ષણની પ્રયુક્તિઓ અને સહઅભ્યાસિક પ્રવૃત્તિઓ (13.50 કલાક)**	**30 %**
	1. પ્રયુક્તિઓ : સંકલ્પના અને ઉપયોગિતા કથન, પ્રશ્નોતરી, આદર્શવાચન, કાવ્યપઠન, શબ્દરમતો, મધપૂડો 2. પ્રવૃત્તિઓ : સંકલ્પના અને ઉપયોગિતા નાટ્યીકરણ, કવિસભા, અંક પ્રકાશન, વાર્તાલાપ	
એકમ-3	**માતૃભાષા શિક્ષણને અસરકારક બનાવતાં દૃશ્ય-શ્રાવ્ય સાધન-સામગ્રી (13.50 કલાક)**	**30 %**
	સ્વરૂપ અને ઉપયોગિતા 1. પાઠ્યપુસ્તક 2. શબ્દકોશ 3. વિશ્વકોશ 4. શિક્ષક નિદર્શિની 5. સ્વાધ્યાયપોથી 6. ભીંતપત્ર	

	7. ચાર્ટ 8. ટેઈપ રેકર્ડર 9. કમ્પ્યૂટર 10. ભાષા પ્રયોગશાળા	
એકમ-4	**માતૃભાષા સંબંધિત પ્રકીર્ણ બાબત (04.50 કલાક)**	**10 %**
	1. સંસ્થાઓ, મંડળો અને સામયિકોનો સંક્ષિપ્ત પરિચય 2. માતૃભાષાનાં પાઠ્યપુસ્તકની સમીક્ષા 3. માતૃભાષા સંબંધિત ક્રિયાત્મક સંશોધન	

સૂચિત પ્રાયોગિક કાર્ય

1. માતૃભાષા શિક્ષણનાં મૂલ્યાંકન માટે વિવિધ પ્રકારના પ્રશ્નની રચના કરે.
2. માતૃભાષા શિક્ષણનાં મૂલ્યાંકના માટે ત્રિ-પરિમાણદર્શી સારણીની રચના કરે.
3. માતૃભાષાનું શિક્ષણના કોઈ પણ બે સ્વનિર્મિત સાધનોનું નિર્માણ કરે.
4. માતૃભાષા સંબંધિત કોઈ સંસ્થા અને સામયિકોનો પરિચય પ્રાપ્ત કરે..

સૂચિત અધ્યયન સામગ્રી

ગુપ્ત, મ.(2011). ***भाषा शिक्षण सिध्धांत और प्रविधि***. આગરા : કેન્દ્રીય હિન્દી સંસ્થાન.

ત્રિવેદી, (1955). ***માતૃભાષાનું અધ્યાપન***. અમદાવાદ : રવાણી પ્રકાશન.

દવે, જ.(1982). ***કવિતાનું શિક્ષણ***. (પ્રથમ આ.). વલ્લભવિદ્યાનગર : સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી.

પટેલ, અને અન્ય.(2002). ***ગુજરાતી અધ્યાપનનું પરિશીલન***. અમદાવાદ : બી.એસ.શાહ પ્રકાશન.

પટેલ, અને અન્ય.(2003). ***ગુજરાતી અધ્યાપનનું પરિશીલન***. અમદાવાદ : નીરવ પ્રકાશન.

શ્રીવાસ્તવ, (1979). ***भाषाशिक्षण***. નઈ દિલ્હી : ધ મેકમિલન કંપની.

ક્ષત્રિય, ક.(1982). ***માતૃભાષા શિક્ષણ*** (સાતમી આ.).. આગરા : વિનોદ પુસ્તક મંદિર.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-B-102 : English Method

कुल अंक - 50

Instructional Objectives		
To enable student teachers to...	1. Understand nature and importance of English Language 2. Understand challenges in teaching English in India. 3. Define the educational objectives of teaching English in terms of behavioral outcomes 4. Understand the planning for teaching and apply it in classroom 5. Understand the basic skills of English Language 6. Understand teaching of prose, poetry and grammar. 7. Understand the methods , approaches and techniques of English Language Teaching	
Theory		
UNIT NO.	**Points in Unit**	**Marks**
UNIT: 1	**Nature and Importance of English Language, objectives of teaching English (09.00 Hour)**	**20%**
	1. Language as a tool of communication. 2. Position and importance of English language in India and Gujarat 3. Bloom's Taxonomy and objectives of teaching English at the Secondary & Higher Secondary Levels 4. Problems faced by Gujarati learner in learning English language	
UNIT: 2	**Planning of Teaching (13.50 Hour)**	**30%**
	1. Planning: Concept, Significance 2. Lesson Planning: Unit Lesson Plan, stray Lesson Plan & ICT-based Plan. 3. Use and Importance of Teaching Aids in teaching of English: Maps, Charts, Film Strips, TV, VCR, Computer, Internet, VCD, Radio, Authentic Materials, English language laboratory 4. Use & Importance of reference books, Dictionary, thesaurus and Encyclopedia	
UNIT: 3	**Basic language skills & strategies of teaching English (09.00 Hour)**	**20%**
	1. Objectives of listening, speaking, reading and writing skills. 2. Teaching of L-S-R-W 3. Teaching of prose, poetry, grammar and composition	
UNIT: 4	**Approaches, Methods & Techniques (13.50 Hour)**	**30%**
	1. Approach, Method & Technique: Concept and practice 2. Approaches: Principles / Features, Merits and Demerits. Structural Approach ,Functional Communicative approach	

	3. Methods: Grammar Translation Method, Bilingual Method and Task-based Learning 4. Techniques: Narration, Discussion, Questioning, Listen & Do, Read & Say, Pictorial Illustration, Verbal Illustration, etc.	

PRACTICAL WORKS

1. Writing the review of text book (Std. 8 to 10).
2. Preparing communicative game.
3. Preparing a teaching aid for English Language Teaching along with Power Point Presentation (PPT)
4. Visiting ELT room and Prepare a report on the uses of it

REFERENCES

Arora, Sanjay. (2007) . ***Teaching of English.*** Jaipur : University Book House Pvt. Ltd.

Aslam, Mohammad. ***Teaching of English. A practical course for B.Ed.***

Baruah, T. C. (1991). ***The English Teacher's Handbook***. (3rd Ed.) Sterling Publishers Pvt.Ltd, New Delhi.

Dash, Neena & Dash, M. (2007). ***Teaching English As A n Additional language.*** New Delhi : ATLANTIC Publishers.

Kaur, Rajpal. (2006). ***Teaching of English: new Trends and Innovations.*** New Delhi : Deep & Deep Publication,

Laurence. James C. (2007). ***Changing Role of Teachers in Education.*** New Delhi : Rajat Publication.

Mishra, R. C. (2007) . ***Lesson Planning.*** New Delhi : A. P. H Publishing Corporation.

Mukhajee, Shankar. (2007). ***Communicative Perspectives on Teaching of English*** (1st Ed.) New Delhi : Academic Excellence.

Panchal, M. R. (1992). ***Teach English This Way*** (2nd Ed.). A 'Bad : Navbharat Sahitya Mandir,

Srivastav, H. S. (2006). ***Curriculam and Methods of Teaching.*** (1st Ed.). Shipra Publications, Delhi.

Sharma, R. A. (1983). ***Technology of teaching: Teacher Behavior.*** (2nd Ed.). Meerut : Loyal Book Depot.

Shrivastava, A. K. (2005). ***English Language Teaching: Methods, Tools & Techniques.*** 1st Ed.) Jaipur : Book enclave, (India).

Students: (2003, 1st Ed.) New Delhi : Foundation Books Pvt. LTD.

Yadav, R. N. S. (2002) . ***Teaching of English.*** Chandigarh : Abhishek Publications.

WEBSITES :

www.britishcouncil.org, www.bbc.co.uk/learningenglish, www.wikipedia.or www.onestopenglish.com, www.cambridge.org/elt, http://www.oup.co., http://eric.ed.gov, www.asian-efl-journal.com, www.amazon.com, www.want2learn.com

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-B-202 : English Method

कुल अंक - 50

Instructional Objectives		
To enable student teachers to...	1. Get familiarized with ELT materials 2. Develop skills to evaluate language competence 3. Understand the criteria of good English textbook. 4. Acquire necessary qualities of good teacher of English. 5. Review and study textbooks for English 6. Integrate technology in teaching	
Theory		
UNIT NO.	**Points in Unit**	**Marks**
UNIT: 1	**EL T Materials for effective language Teaching (13.50 Hour)**	**30 %**
	1. Material Production: Concept and Types 2. Classroom tasks for teaching L-S-R-W-Preparation& practice) 3. Materials to enrich vocabulary(preparation & practice) 4. Trying out the Materials with group / pair work through Action Research	
UNIT: 2	**Testing & Evaluation (13.50 Hour)**	**30 %**
	1. Understanding Blue-Print, preparing Blue-Print of Question Paper and setting the question paper 2. Preparation of test items : Essay, Short answer, Objectives type Questions etc. 3. Tools & Techniques of Evaluating Language Competence	
UNIT: 3	**Curriculum, Syllabus & Textbooks (09.00 Hour)**	**20 %**
	1. Curriculum, Syllabus & Textbooks: Concept & Types (Std. V to XII of GSEB) 2. Characteristics of a good textbook	
UNIT: 4	**Activities to Create a Conducive Learning environment for language teaching (09.00 Hour)**	**20%**
	1. Co-curricular Activities- Understanding & organizing activities such as Debate, Elocution, Drama, recitation, Simulation, Role-play, Importance of English room and English club in Teaching English 2. Qualities of an effective Teacher of English	
PRACTICAL WORKS		
5. Writing the review of text book (Std. 8 to 10). 6. Preparing communicative game. 7. Preparing a teaching aid for English Language Teaching along with Power Point Presentation (PPT) 8. Visiting ELT room and Prepare a report on the uses of it		

REFERENCES

Arora, Sanjay. (2007) . ***Teaching of English.*** Jaipur : University Book House Pvt. Ltd.

Aslam, Mohammad. ***Teaching of English. A practical course for B.Ed.***

Baruah, T. C. (1991). ***The English Teacher's Handbook***. (3rd Ed.) Sterling Publishers Pvt.Ltd, New Delhi.

Dash, Neena & Dash, M. (2007). ***Teaching English As A n Additional language.*** New Delhi : ATLANTIC Publishers.

Kaur, Rajpal. (2006). ***Teaching of English: new Trends and Innovations.*** New Delhi : Deep & Deep Publication,

Laurence. James C. (2007). ***Changing Role of Teachers in Education.*** New Delhi : Rajat Publication.

Mishra, R. C. (2007) . ***Lesson Planning.*** New Delhi : A. P. H Publishing Corporation.

Mukhajee, Shankar. (2007). ***Communicative Perspectives on Teaching of English*** (1st Ed.) New Delhi : Academic Excellence.

Panchal, M. R. (1992). ***Teach English This Way*** (2nd Ed.). A 'Bad : Navbharat Sahitya Mandir,

Srivastav, H. S. (2006). ***Curriculam and Methods of Teaching.*** (1st Ed.). Shipra Publications, Delhi.

Sharma, R. A. (1983). ***Technology of teaching: Teacher Behavior.*** (2nd Ed.). Meerut : Loyal Book Depot.

Shrivastava, A. K. (2005). ***English Language Teaching: Methods, Tools &Techniques.*** 1st Ed.) Jaipur : Book enclave, (India).

Students: (2003, 1st Ed.) New Delhi : Foundation Books Pvt. LTD.

Yadav, R. N. S. (2002) . ***Teaching of English.*** Chandigarh : Abhishek Publications.

WEBSITES :

www.britishcouncil.org, www.bbc.co.uk/learningenglish, www.wikipedia.or www.onestopenglish.com, www.cambridge.org/elt, http://www.oup.co., http://eric.ed.gov, www.asian-efl-journal.com, www.amazon.com, www.want2learn.com

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-B-102 : सामाजिक विज्ञान शिक्षण पद्धति

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. सामाजिक विज्ञान की ऐतिहासिक भूमिका समझे । 2. सामाजिक विज्ञान की नूतन संकल्पना और महत्व समझे । 3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के मूल्यों, उद्देश्यों को समझे । 4. सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम और पाठ्यवस्तु का तुलनात्मक अभ्यास करें । 5. सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करे । 6. सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम सीखाने के लिए आयोजन करने का कौशल प्राप्त करे । 7. सामाजिक विज्ञान शिक्षण पद्धतियों का कक्षा शिक्षा में उपयोग करे । 8. सामाजिक विज्ञान की विविध इकाईयों के मुताबिक शैक्षिक साधन – सामग्री का उपयोग करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	सामाजिक विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शिक्षण	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान की संकल्पना और महत्व 2. सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम और पाठ्यवस्तु का तथा पाठ्यपुस्तक की समीक्षा 3. उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान के पाठ्य पुस्तक का तुलनात्मक अभ्यास	
इकाई – 2	सामाजिक विज्ञान शिक्षण के मूल्यों, ध्येयों और उद्देश्यों	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के मूल्य :उपयोगिता मूल्य, सांस्कृतिक मूल्य और नियामक मूल्य 2. सामाजिक विज्ञान शिक्षा के उद्देश्य 3. उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान शिक्षण के सामान्य उद्देश्य 4. उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर सामाजिक शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य	

इकाई – 3	सामाजिक विज्ञान शिक्षण का आयोजन, पद्धतियों और प्रयुक्तियों (11.25 घण्टे)	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में आयोजन का महत्त्व 2. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सूक्ष्म पाठ, सेतु पाठ, स्ट्रे लेसन, इकाई पाठ और प्रवृत्ति समवाय पाठ का आयोजन 3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की अध्यापन पद्धतियाँ :आधार पद्धति, प्रोजेक्ट पद्धति, नाट्यीकरण पद्धति, स्वाध्याय पद्धति, प्राकृतिक प्रदेश पद्धति 4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की अध्यापन पद्धतियाँ :कथन प्रयुक्ति, पात्राभिनय प्रयुक्ति, प्रश्नोतर प्रयुक्ति	
इकाई – 4	सामाजिक विज्ञान खंड और अध्ययन – अध्यापन सामग्री (11.25 घण्टे)	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान खंड का महत्त्व और सुशोभन 2. सामाजिक विज्ञान के कक्षाखंड की विशिष्ट सुविधाएँ और सामाजिक कक्षाखंड की देखभाल 3. सामाजिक विज्ञान में एडगर डेइल का अनुभव शंकु, स्वनिर्मित साधन 4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए अध्ययन – अध्यापन सामग्री : नकशा, पृथ्वी का गोला, एटलास, नकशापोथी और कम्प्यूटर आधारित सामग्री	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. कक्षा 6 से 8 के सामाजिक विज्ञान विषय के पाठ्यपुस्तक में से किसी भी एक पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करना ।
2. उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम और पाठ्यवस्तु का तुलानात्मक अभ्यास करना ।
3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विशिष्ट अध्यापन पद्धतियों का कक्षाखंड में उपयोग करना ।
4. सामाजिक विज्ञान के विषयवसुत् के मुताबिक शैक्षिक साधन – सामग्री तैयार करके उपयोग करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. Barry and Johnon (1964), Classroom Group Behavior, New York
2. Macmillan Christian, Jyoti (1984) Classroom Group Dynamics, Anu Book, Meerut
3. કાછીઆ મનહર, (1986), નાટ્યીકરણ દ્વારા વર્ગ - શિક્ષણ, મોડાસા :શ્રી બી. ડી. શાહ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન
4. દવે, જયેન્દ્ર અને અન્ય (1982) અધ્યયન - અધ્યાપન પ્રયુક્તિઓ અને શૈક્ષણિક માપન અને મૂલ્યાંકન, અમદાવાદ :બી. એસ. શાહ પ્રકાશન
5. દેસાઈ ધનવંત (સં.) (1962), નૂતન શિક્ષણ ગ્રંથમાળા, અમદાવાદ :એ. આર. શેઠની કંપની
6. પાઠક ઉપેન્દ્રભાઈ (2009) સમાજવિદ્યાનું અભિનવ અધ્યાપન, અમદાવાદ :નીરવ પ્રકાશન
7. શેલત, એન. ડી. અને અન્ય (1986) નાટ્યીકરણ દ્વારા વર્ગ - શિક્ષણ, મોડાસા :શ્રી બી. ડી. શાહ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-B-202 : सामाजिक विज्ञान शिक्षण पद्धति

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण पद्धतियाँ जानकर कक्षाशिक्षा में उपयोग करे 2. सामाजिक विज्ञान की विविध इकाईयों के मुताबिक शैक्षिक साधन – सामग्री के उपयोग का कौशल प्राप्त करें । 3. उच्च प्राथमिक, माध्यमिक कक्षा का सामाजिक विज्ञान के अभ्यासक्रम का परिचय प्राप्त करे और अन्य विषयों के साथ उसका अनुबंध समझे 4. सामाजिक विज्ञान के मूल्यांकन की पद्धतियों और प्रयुक्तियों का अध्यापन में उपयोग करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	सामाजिक विज्ञान शिक्षण की पद्धतियाँ और सहायक प्रवृत्तियाँ (11.25 घण्टे)	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की पद्धतियों :जीवन वृतांत पद्धति, कहानी पद्धति, प्रवास – पर्यटन पद्धति 2. सिद्धि या दक्षता को ध्यान में रखने वाली अध्ययन – अध्यापन पद्धतियों : निरीक्षित अभ्यास पद्धति, अभिक्रमित अध्ययन 3. शैक्षणिक तकनीकी आधारित अध्ययन – अध्यापन 4. सामाजिक विज्ञान मंडल महत्व, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ 5. सामाजिक विज्ञान सम्बन्धी सहायक प्रवृत्ति :डाक टिक्ट संग्रह, सिक्का संग्रह, बुलेटीन बोर्ड, प्रदर्शनी हस्तुलिखित अंक	
इकाई – 2	नयी तालीम संदर्भे सामाजिक विज्ञान शिक्षण और सामाजिक विज्ञान शिक्षक (11.25 घण्टे)	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान विषय में अनुबंध की संकल्पना और महत्त्व 2. सामाजिक विज्ञान का निसर्ग, समाज और उद्योग के साथ अनुबंध 3. सामाजिक विज्ञान का भाषा के विषयों और कला के साथ अनुबंध 4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण का आंतरिक अनुबंध (इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र, अर्थशास्त्र) 5. सामाजिक विज्ञान शिक्षक :लाक्षणिक्तायें और व्यावसायिक सज्जता	

इकाई – 3	सामाजिक विज्ञान शिक्षण की संस्थायें, सामयिकों और सम्बन्धित प्रवृत्तियाँ (11.25 घण्टा)	25 %
	1. गांधी आश्रम, सरदार पटेल राष्ट्रीय स्मारक परिचय उद्देश्य और कार्य 2. ज्योतिसंघ, नशाबंध मंडल :परिचय, उद्देश्य और कार्य 3. सामाजिक विज्ञान सम्बन्धीत सामयिकों :भूमिपुत्र, योजना, सहकार, भावार्थ 4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण की प्रवृत्तियों और महत्त्व	
इकाई – 4	सामाजिक विज्ञान शिक्षण का मूल्यांकन और क्रियात्मक अनुसंधान (11.25 घण्टे)	25 %
	1. सामाजिक विज्ञान संदर्भे मूल्यांकन की विभावनायें 2. सामाजिक विज्ञान में आदर्श प्रश्नपत्र रचना :सोपान और ब्ल्यू – प्रिन्ट 3. सामाजिक विज्ञान में शालेय सर्वग्राही मूल्यांकन 4. सामाजिक विज्ञान में क्रियात्मक अनुसंधान	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. सामाजिक विज्ञान विषय को ध्यान में रखकर एक क्रियात्मक अनुसंधान करना ।
2. ब्ल्यू – प्रिन्ट के आधार पर प्रश्नपत्र की रचना करना ।
3. कम्प्यूटर आधारित चित्र और क्लिपिंग इकठ्ठी करके निदर्शन करवाना ।
4. केन्द्र निवास दरम्यान क्षेत्रकार्य करके अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. Barry and Johnon (1964), Classroom Group Behavior, New York
2. Macmillan Christian, Jyoti (1984) Classroom Group Dynamics, Anu Book, Meerut
3. કાછીઆ મનહર, (1986), નાટ્યીકરણ દ્વારા વર્ગ - શિક્ષણ, મોડાસા :શ્રી બી. ડી. શાહ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન
4. દવે, જયેન્દ્ર અને અન્ય (1982) અધ્યયન - અધ્યાપન પ્રયુક્તિઓ અને શૈક્ષણિક માપન અને મૂલ્યાંકન, અમદાવાદ :બી. એસ. શાહ પ્રકાશન
5. દેસાઈ ધનવંત (સં.) (1962), નૂતન શિક્ષણ ગ્રંથમાળા, અમદાવાદ :એ. આર. શેઠની કંપની
6. પાઠક ઉપેન્દ્રભાઈ (2009) સમાજવિદ્યાનું અભિનવ અધ્યાપન, અમદાવાદ :નીરવ પ્રકાશન
7. શેલત, એન. ડી. અને અન્ય (1986) નાટ્યીકરણ દ્વારા વર્ગ - શિક્ષણ, મોડાસા :શ્રી બી. ડી. શાહ કોલેજ ઓફ એજ્યુકેશન.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-B-102 : संस्कृत शिक्षा पद्धति

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. संस्कृत भाषा का महत्त्व और सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य समझे । 2. संस्कृत शिक्षा की विभिन्न पद्धतियों से परिचित हो सके । 3. भाषा के कौशलों की समझ प्राप्त करें । 4. संस्कृत शिक्षा के सिद्धांत और उपयोगी साधन सामग्री का निर्माण और उपयोग का कौशल प्राप्त करें ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	संस्कृत भाषा का महत्त्व और उद्देश्य (13.50 घण्टे)	30 %
	1. संस्कृत भाषा का सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं राष्ट्रीय एकता में महत्त्व । 2. हिन्दी और गुजराती भाषा के विकास में संस्कृत भाषा का योगदान । 3. प्रवर्तमान समय में संस्कृत शिक्षा के उद्देश्य । 4. संस्कृत शिक्षा के सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्य : ज्ञानात्मक, भावात्मक, कौशलात्मक ।	
इकाई – 2	संस्कृत शिक्षा के सिद्धांत और साधन सामग्री (11.25 घण्टे)	25 %
	1. संस्कृत शिक्षा के सिद्धांत । 2. संस्कृत अध्यापन में उपयोगी साधन – सामग्री (महत्त्व, प्रकार और उपयोग समय ध्यान में रखने बातें) 3. पाठ आयोजन का महत्त्व और प्रकार (इकाई आयोजन, पूर्ण पाठ) 4. प्रवृत्तिकेन्द्री पाठ आयोजन : संकल्पना	
इकाई – 3	संस्कृत शिक्षा की पद्धतिएँ (11.25 घण्टे)	25 %
	संस्कृत शिक्षा के संदर्भ में पद्धतियाँ (संप्रत्यय, महत्त्व और मर्यादा, प्रशिष्ट और आधुनिक) 1. पाठशाला पद्धति । 2. भंडारकर पद्धति । 3. प्रत्यक्ष पद्धति । 4. भाषान्तर पद्धति । 5. आगमन – निगमन पद्धति । 6. अन्वय पद्धति (खण्डान्वय – डण्डान्वय)	

इकाई – 4	संस्कृत अध्यापन के कौशल (9.00 घण्टे)	20 %
	1. श्रवण :महत्त्व और ध्यान देने योग्य बातें । 2. कथन :महत्त्व, उच्चारण दोषों के कारण और निवारण के उपाय । 3. वाचन :महत्त्व, प्रकार और अच्छे वाचन के लक्षण । 4. लेखन :महत्त्व, अच्छे लेखन के लक्षण ।	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. कक्षा 6 तथा 7 के पाठ्यपुस्तक आधारित एक चित्रवार्ता बनाना ।
2. संख्यादर्शक और समयदर्शक घटिकायंत्र तैयार करना ।
3. पाठ्यक्रम आधारित स्वाध्याय तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. आक्रुवाला, सी. के. (1956), संस्कृतनुं अभिनव अध्यापन, अहमदाबाद :भारत प्रकाशन ।
2. आक्रुवाला, सी. के. (1966), संस्कृत शिक्षणनी हेन्डबुक, अहमदाबाद :अनडा प्रकाशन ।
3. शर्मा, रीटा एवं जैन, अमिता (2005), संस्कृत शिक्षण, जयपुर, आविष्कार पब्लिशर्स ।
4. पांडेय, आर. (वि.सं. 2022) संस्कृति शिक्षण, आगरा :विनोद पुस्तक मंदिर ।
5. शर्मा, प्रज्ञा (2006), संस्कृत शिक्षण, जयपुर :आस्था प्रकाशन ।
6. सफाया, आर. (1990), संस्कृत शिक्षण, चंदीगढ :हरियाण साहित्य अकादमी ।
7. मिलन, एस. (2000)., संस्कृत शिक्षण, मेरठ :आर. लाल बुक डिपो ।
8. Apte D. G., Teching of Sanskrit, Bombay : Padma Publication.
9. Apte V. S., A Guide of Sanskrit Composition, Bombay : Padma Publication.
10. Bokil, V. P. and Parasnis, N. K., A New Approach to Teaching of Sanskrit. Poona : Loksangraha Press.
11. Kale, M. R., 'A Higher Sanskrit Grammar' Report on the seminar of Methods of teaching Sanskrit. Raipur : M. P. Department of Extension Service, Govt., P. G. B. T. College.
12. Sharma, T. C. (2002), Modern Method of Language Teaching, New Delhi : Sarup Sons, Ansari Road, Darya Ganj.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-B-202 : संस्कृत शिक्षा पद्धति

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. अभ्यासक्रम की संकल्पना और रचना के सिद्धांतो की समझ प्राप्त करें । 2. आदर्श पाठ्यपुस्तक की लाक्षणिक्ताओं की समझ प्राप्त करें । 3. संस्कृत शिक्षक की लाक्षणिक्ताओं और विभिन्न सुधारलक्षी प्रवृत्तियों को समझे । 4. संस्कृत भाषा के संदर्भ में मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझे । 5. संस्कृत अध्यापन में क्रियात्मक अनुसंधान की समझ प्राप्त करें ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	अभ्यासक्रम और पाठ्यपुस्तक (11.25 घण्टे)	25 %
	1. अभ्यासक्रम का संप्रत्यय 2. अभ्यासक्रम और पाठ्यक्रम का भेद 3. अभ्यासक्रम रचना के सिद्धांत 4. आदर्श पाठ्यपुस्तक के लक्षण	
इकाई – 2	संस्कृत शिक्षण और विभिन्न प्रवृत्तियों (11.25 घण्टे)	25 %
	1. संस्कृत शिक्षक के कर्तव्य 2. आदर्श संस्कृत शिक्षक के लक्षण (व्यावसायिक सज्जता और मानवीय गुण) 3. संस्कृत भाषा प्रचार – प्रसार की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं संस्कृत को रसमय बनाने की प्रवृतियाँ / रीत : परिचय और महत्त्व 4. सुधारलक्षी प्रवृत्तियाँ	
इकाई – 3	संस्कृत भाषा में मूल्यांकन (11.25 घण्टे)	25 %
	1. मूल्यांकन का संप्रत्यय और महत्त्व 2. आदर्श प्रश्नपत्र की लाक्षणिकतायें 3. ब्ल्यूप्रिन्ट की रचना और महत्त्व	
इकाई – 4	संस्कृत अध्यापन में क्रियात्मक अनुसंधान (11.25 घण्टे)	25 %
	1. क्रियात्मक अनुसंधान का संप्रत्यय 2. क्रियात्मक अनुसंधान के सोपान 3. संस्कृत अध्यापन में क्रियात्मक अनुसंधान का महत्त्व	

सूचित प्रायोगिक कार्य
1. कक्षा 8, 9 और 10 मैं से कीसी एक संस्कृत पाठ्यपुस्तक की समीक्षा करना 2. कक्षा 8 और 9 मैं से कोई एक इकाई अध्यापन हेतु साधन सामग्री का उपयोग करना एवं मार्गदर्शिका की रचना करना 3. स्वाध्याय तैयार करना
सूचित अध्ययन सामग्री
1. आफ्रुवाला, सी. के. (1956), संस्कृतनुं अभिनव अध्यापन, अहमदाबाद :भारत प्रकाशन । 2. आफ्रुवाला, सी. के. (1966), संस्कृत शिक्षणनी हेन्डबुक, अहमदाबाद :अनडा प्रकाशन । 3. शर्मा, रीटा एवं जैन, अमिता (2005), संस्कृत शिक्षण, जयपुर, आविष्कार पब्लिशर्स । 4. पांडेय, आर. (वि.सं. 2022) संस्कृति शिक्षण, आगरा :विनोद पुस्तक मंदिर । 5. शर्मा, प्रज्ञा (2006), संस्कृत शिक्षण, जयपुर :आस्था प्रकाशन । 6. सफाया, आर. (1990), संस्कृत शिक्षण, चंदीगढ :हरियाण साहित्य अकादमी । 7. मिलन, एस. (2000)., संस्कृत शिक्षण, मेरठ :आर. लाल बुक डिपो । 8. Apte D. G., Teching of Sanskrit, Bombay : Padma Publication. 9. Apte V. S., A Guide of Sanskrit Composition, Bombay : Padma Publication. 10. Bokil, V. P. and Parasnis, N. K., A New Approach to Teaching of Sanskrit. Poona : Loksangraha Press. 11. Kale, M. R., 'A Higher Sanskrit Grammar' Report on the seminar of Methods of teaching Sanskrit. Raipur : M. P. Department of Extension Service, Govt., P. G. B. T. College. 12. Sharma, T. C. (2002), Modern Method of Language Teaching, New Delhi : Sarup Sons, Ansari Road, Darya Ganj.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-C-101 : हिन्दी विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य				
प्रशिक्षार्थी.....	1. हिन्दी भाषा साहित्या के बारे में जानकारी प्राप्त करें ।			
....	2. भाषीय तत्त्वों से अवगत हो ।			
	3. साहित्य की विधाओं से परिचित हो ।			
	4. कक्षा-6 से कक्षा-9 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक की इकाईयों का अभ्यास करें।			
सैद्धांतिक कार्य				
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**			**अंकभार 25 %**
इकाई-1	**कक्षा-6 से कक्षा-9 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक में से निम्न लिखित गद्य इकाईयों का अभ्यास (11.25 घंटा)**			
क्रम	**इकाई**	**साहित्य स्वरूप**	**लेखक**	**कक्षा**
1.	समझदार नन्ही	कहानी		6
2.	सुबह	प्रसंगकथा		6
3.	कथनी और करनी	निबंध		7
4.	डॉ. विक्रम साराभाई	जीवनी		7
5.	इदगाह	कहानी	प्रेमचंद	8
6.	भारत	एकांकी	राजा लक्ष्मण सिंह	8
7.	स्वाल बालम्मन के, जवाब डॉ. कलाम के	साक्षात्कार		8
8.	मधुपर्व	उपन्यास अंश	यशपाल	9
9.	ध्रुवस्वामिनी	नाट्यांश	जयशंकर प्रसाद	9
10.	बापु के संस्मरण	संस्मरण	संकलित	9
इकाई-2	**कक्षा-6 से कक्षा-9 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक में से निम्न लिखित पद्य इकाईयों का अभ्यास (11.25 घंटा)**			**अंकभार 25 %**
क्रम	**इकाई**	**साहित्य स्वरूप**	**कवि**	**कक्षा**
1.	एक जगत एक लोक	कविता		6
2.	बुझों तो जाने	पहेलियाँ		6
3.	तब याद तूमहारी आती हैं !	कविता	रामनरेश त्रिपाठी	7
4.	हिन्द देश के निवासी	कविता		7
5.	तेरी हैं ज़मीं	कविता		8
6.	उठ धरा के अमर सपूतों	संघगान	द्वारिकाप्रसाद महेश्वरी	8
7.	माँ ! कह एक कहानी	काव्य	मैथिलीशरण गुप्त	8
8.	कबीर के दोहे	दोहे	कबीर	9
9.	पुष्पवाटिका प्रसंग	महाकाव्यांश	तुलसीदास	9
10.	हिरोशिमा	कविता	अज्ञेय	9
इकाई-3	**वर्ण विचार (11.25 घंटा)**			**अंकभार 25%**
	1. देवनागरी वर्णमाला के मानांक लिपि चिह्न 2. स्वर और स्वर के प्रकार 3. व्यंजन और व्यंजन के प्रकार 4. उच्चारण में अनुस्वार और अनुनासिक का भेद			

इकाई-4	लिंग, वचन, शब्द, वाक्य विचार और विराम चिह्नों (11.25 घंटा)	25%
	1. लिंग और वचन परिवर्तन 2. शब्द की परिभाषा और अर्थ शब्द के भेद : उत्पति और प्रयोग की दृष्टि से शब्द के भेद शब्द निर्माण : पर्यायवाची, विलोम शब्द, भाववाचक संज्ञा, कतृवाचक संज्ञा, कहावतें और मुहाँवरों का प्रयोग, शब्द-समूह के लिए एक शब्द 3. वाक्य विचार : विधि वाक्य, निषेध वाक्य, प्रश्नार्थ वाक्य, उदगार वाक्य 4. विराम चिह्नों : विराम चिह्नों का अर्थ और प्रयोग	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. स्वर और व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण करना ।
2. विकारी और अविकारी शब्दों का वर्गीकरण करना ।
3. व्याकरण शिक्षण हेतु व्याकरण विषयवस्तु संबंधी शैक्षिक उपकरण तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

उलतिसफेरोव, ओलेग. (1992). ***हिन्दी का व्यवहारिक व्याकरण***. दिल्ली : अखिल भारतीय हिन्दी

कपुर, श्यामचंद्र. (2004). ***आदर्श पत्रलेखन***. नई दिल्ली : विद्याविहार.

कौशिक, जगदिश प्रसाद. ***शुद्ध हिन्दी***. **जयपुर** : साहित्यगार.

गुप्ता, रामनिवास. (2001). ***हिन्दी साहित्य समीक्षा***. भोजपुर दिल्ली : आधुनिक प्रकाशन.

तिवारी, भोलानाथ. (1988). ***अच्छी हिन्दी कैसें बोलें और लिखें***. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन.

दीक्षित, मीरां. ***पदबंद, मुहाँवरे, वाक्य और कहावतें***. दिल्ली : पितांबर पब्लिसिंग कंपनी.

दोषी, बाबुलाल. (2004). ***निबंध सरिता***. दिल्ली : अपोलो प्रकाशन.

प्रसाद, वासुदेव. (1990). ***आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना***. पटना : भारती भवन संस्थान संघ.

पाण्डे, लक्ष्मीकांत. (2000). ***मानांक हिन्दी व्याकरण***. कानपुर : विद्या प्रकाशन.

प्रसाद, त्रिवेणी. (2004). ***शुद्ध और सुंदर हिन्दी***. दिल्ली : त्रिपथगा प्रकाशन.

पोखरिया, डी.एस. (1997). ***व्यवहारिक पत्रलेखन***. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन.

राणा, महेन्द्रसिंह.(2006). ***हिन्दी व्याकरण प्रकाश.*** आगरा : हर्षा प्रकाशन.

वर्मा, रामचंद्र. (2007). ***हिन्दी प्रयोग***. आगरा : लोकभारती प्रकाशन.

सिंघल, शशिभूषण. (2002). ***साहित्य विधाएँ***. भजपुर दिल्ली : आधुनिक प्रकाशन.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-6. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-7. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-8. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-9. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-C-201 : हिन्दी विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य	
प्रशिक्षार्थी.....	1. हिन्दी भाषा साहित्य के बारे में जानकारी प्राप्त करे । 2. कक्षा-10 से कक्षा-12 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक की इकाईयों का अभ्यास करें। 3. साहित्य की विधाओं से परिचित हो । 4. रचना शिक्षण का व्यवहार में उपयोग करें ।

सैद्धांतिक कार्य

इकाई क्रमांक	इकाई के मुद्दे			अंकभार 25%
इकाई-1	**कक्षा-10 से कक्षा-12 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक से निम्न लिखित गद्य इकाईयों का अभ्यास (11.25 घंटा)**			
क्रम	**इकाई**	**साहित्य स्वरूप**	**लेखक**	**कक्षा**
1.	कर कमल हो गये	निबंध	हरिशंकर परसाई	10
2.	गौरा गाय	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा	10
3.	पनियाँ आ रहलो हैं	रिपोतार्ज	फणेश्वरनाथ रेणु	10
4.	कलिंग के बुद्धिमान	लोककथा	ब्रह्मदेव	10
5.	टूटते बनते दिन	आत्मकथांश	रामदरश मिश्र	11
6.	ड़ायरी के पन्ने	ड़ायरी अंश	महादेवभाई देसाई	11
7.	रांतिदेव	पुराणकथा	व्यथित हृदय	11
8.	सिनेमा और जीवन	ज़नसंचार	प्रेमचंद	12
9.	एक गरिमा अदृश्य हो गई	लेख	पं.जवाहरलाल नेहरू	12
10.	एक प्रश्न चार उत्तर	साक्षात्कार	श्रीप्रकाश	12
इकाई-2	**कक्षा-10 से कक्षा-12 द्वितीय भाषा हिन्दी की पाठ्यपुस्तक से निम्न लिखित पद्य इकाईयों का अभ्यास (11.25 घंटा)**			**अंकभार 25%**
क्रम	**इकाई**	**साहित्य स्वरूप**	**कवि**	**कक्षा**
1.	भारत गरिमा	कविता	मैथिलिशरण गुप्त	10
2.	धरती बने स्वर्ग	प्रबंध काव्य	रामधारीसिंह	10
3.	दूर ही दूर से बुलाता हैं	गज़ल	रामदरश मिश्र	10
4.	लक्ष्मण का पौरूष	खंड़काव्य	नरेश मेहता	10
5.	बिहारी के दोहे	दोहे	बिहारी	11
6.	अरूण यह मधुमय देश हमारा	गीत	जयशंकर प्रसाद	11
7.	नचिकेता	संकलित अंश	कुँवरनारायण	11
8.	उर्मिला का अनुराग	महाकाव्य	मैथिलिशरण गुप्त	12
9.	नहीं रोकूँगी	अनूदित काव्य	राजेन्द्र शाह	12
10.	पेड़ : पाँच कविताएँ	मुक्तक	सूर्यभानु गुप्त	12
इकाई-3	**व्याकरण (09.00 घंटा)**			**अंकभार 20%**
	1. संज्ञा : अर्थ और प्रकार 2. सर्वनाम : अर्थ और प्रकार 3. समास : अर्थ और प्रकार 4. विशेषण : अर्थ और प्रकार 5. संधि : अर्थ और प्रकार			

इकाई-4	रचना अनुवाद, अर्थविस्तार और सैद्धांतिक समीक्षा (13.50 घंटा)	30%
	1. कहानी लेखन 2. निबंध लेखन 3. पत्र लेखन 4. अनुवाद और अर्थविस्तार : हिन्दी से मातृभाषा में अनुवाद, अर्थविस्तार (कक्षा-10 की पाठ्यपुस्तक के आधार पर) 5. सैद्धांतिक समीक्षा : कहानी (कक्षा-10) : अपनी कमाई - सुदर्शन, आत्मशिक्षण - जैनेद्र कुमार निबंध (कक्षा-10) : ताला- देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीया जलाना कब मना हैं ? - चंद्रकान्त महेता नाट्यांश : आषाढ़ का एक दिन (कक्षा-11) - मोहन राकेश, स्वाभिमानी चाणक्य (कक्षा-12) - जयशंकर प्रसाद काव्यांश : काले बादल (कक्षा-11)- सुमित्रानंदन पंथ, क्या पूजन क्या अर्जन रे (कक्षा-12) - महादेवी वर्मा उपन्यास अंश : लक्ष्मी (कक्षा-11) - फणीश्वरनाथ रेणु, मृगनयनी का मनोमंथन (कक्षा-12) - वृन्दावनलाल वर्मा	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. कहानी के तत्त्वों के आधार पर किसी एक कहानी की समीक्षा करना ।
2. नाटक का उदभव और विकास पर स्वाध्याय तैयार करना ।
3. निबंध के लक्षणों के आधार पर भिन्न भिन्न प्रकार के निबंधों की समीक्षा करना ।
4. उपन्याश का उदभव और विकास पर स्वाध्याय तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

उलतिसफेरोव, ओलेग. (1992). ***हिन्दी का व्यवहारिक व्याकरण***. दिल्ली : अखिल भारतीय हिन्दी

कपुर, श्यामचंद्र. (2004). ***आदर्श पत्रले***खन. नई दिल्ली : विद्याविहार.

गुप्ता, रामनिवास. (2001). ***हिन्दी साहित्य समीक्षा***. भोजपुर दिल्ली : आधुनिक प्रकाशन.

तिवारी, भोलानाथ. (1988). ***अच्छी हिन्दी कैसें बोलें और लिखें***. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन.

दीक्षित, मीरां. ***पदबंद, मुहाँवरे, वाक्य और कहावतें***. दिल्ली : पितांबर पब्लिसिंग कंपनी.

दोषी, बाबुलाल. (2004). ***निबंध सरिता***. दिल्ली : अपोलो प्रकाशन.

प्रसाद, वासुदेव. (1990). ***आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना***. पटना : भारती भवन संस्थान संघ.

पाण्डे, लक्ष्मीकांत. (2000). ***मानांक हिन्दी व्याकरण***. कानपुर : विद्या प्रकाशन.

पोखरिया, डी.एस. (1997). ***व्यवहारिक पत्रलेखन***. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन.

राणा, महेन्द्रसिंह.(2006). ***हिन्दी व्याकरण प्रकाश.*** आगरा : हर्षा प्रकाशन.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-10. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-11. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

हिन्दी (द्वितीय भाषा) कक्षा-12. गांधीनगर : गुजरात राज्य पाठ्यपुस्तक मंड़ल.

હિન્દી શિક્ષક મહાવિદ્યાલય, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ, અહમદાબાદ – 380 014

હિન્દી શિક્ષા વિશારદ (બી.એડ્. – હિન્દી) અભ્યાસક્રમ - સેમેસ્ટર-1

પ્રશ્નપત્ર- C-102 : ગુજરાતી વિષયવસ્તુ

કુલ અંક – 50

શૈક્ષણિક હેતુઓ	
પ્રશિક્ષણાર્થીઓ..	1. ગુજરાતી ભાષાનો વિકાસક્રમ, ધ્વનિઓનું વર્ગીકરણ અને ભાષાનાં મૂળતત્વો જાણે. 2. ધોરણ-6 થી 9 ના પાઠ્યપુસ્તકની પદ્ય અને ગદ્ય કૃતિઓની સાહિત્યિક સ્વરૂપગત વિશેષતાઓથી સામાન્ય પરિચિત થાય. 3. વિભક્તિ, સંજ્ઞા, વિશેષણ, સંધિ અને સમાસ જેવી સંકલ્પનાઓની સમજ મેળવી ઉપયોગ કરે.

સૈદ્ધાંતિક કાર્ય

એકમ ક્રમાંક	એકમના મુદ્દા	ગુણભાર
એકમ-1	**ગુજરાતી ભાષા : વિકાસ, ધ્વનિ અને બોલીઓ (11.25 કલાક)**	**25%**
	1. ગુજરાતી ભાષાનો વિકાસક્રમ : મહત્વની બાબતો 2. ગુજરાતી ભાષાના ધ્વનિઓનું વર્ગીકરણ : સ્વર, વ્યંજન, અર્ધસ્વર અને ઉચ્ચારતંત્રની ઓળખ 3. ગુજરાતી ભાષા અને બોલી વચ્ચેનો તફાવત	
એકમ-2	**મધ્યકાલીન સર્જકોનો પરિચય (11.25 કલાક)**	**25%**
	1. નરસિંહ મેહતા 4. શામળ 2. મીરાં 3. પ્રેમાનંદ	
એકમ-3	**ધોરણ-6 થી 9 ના પાઠ્યપુસ્તકની પસંદિત પાંચ ગદ્ય અને પદ્ય કૃતિઓનો આસ્વાદ (11.25 કલાક)**	**25%**

ગદ્યકૃત્તિ

ક્રમ	એકમ	સાહિત્ય સ્વરૂપ	લેખક	ધોરણ
1	ભીખુ	સંવેદનકથા	ધૂમકેતુ	7
2	દિકરો	લોકકથા	ઝવેરચંદ મેઘાણી	8
3	દેશભક્ત જગડુશા	નાટક	રમણલાલ સોની	8
4	ખતુડોશી	રેખાચિત્ર	દિલીપ રાણપુરા	9
5	સ્વર્ગ અને પૃથ્વી	નવલિકા	સ્નેહરશ્મિ	9

પદ્યકૃત્તિ

ક્રમ	એકમ	સાહિત્ય સ્વરૂપ	કવિ	ધોરણ
1	રાનમાં	પ્રકૃત્તિ ગીત	ધ્રુવ ભટ્ટ	7
2	એક જ દે ચિનગારી	પ્રાર્થના ગીત	હરિહર ભટ્ટ	8
3	ધૂળિયે મારગ	ઉર્મિ કાવ્ય	મકરંદ દવે	8

4	ગોવિંદો પ્રાણ અમારો રે	પદ	મીરાંબાઈ	9
5	કન્યાવિદાય	ગીત	અનિલ જોશી	9
એકમ-4	**વ્યાકરણ**		**(11.25 કલાક)**	**25%**
	1. સંજ્ઞા : વ્યાખ્યા અને પ્રકાર 2. વિભક્તિ અને તેના પ્રત્યયો 3. વિશેષણ : વ્યાખ્યા અને પ્રકાર 4. સંધિ : વ્યાખ્યા અને પ્રકાર 5. સમાસ : વ્યાખ્યા અને પ્રકાર			

સૂચિત પ્રાયોગિક કાર્ય

1. સર્જકની જન્મ જયંતીની ઉજવણી કરે.
2. કવિ મુશાયરો અને સાહિત્યકારો સાથે વાર્તાલાપનું આયોજન કરે.
3. વિવિધ ગદ્ય-પદ્ય કૃતિઓનું પઠન અને ગાન કરે.
4. વિવિધ ગદ્ય-પદ્ય કૃતિઓનું સાહિત્ય સ્વરૂપ અનુસાર વર્ગીકરણ કરે.
5. વિભક્તિ, સંજ્ઞા, વિશેષણ, સંધિ અને સમાસ જેવા વિષયવસ્તુ માટે સ્વનિર્મિત શૈક્ષણિક ઉપકરણ તૈયાર કરે.

સૂચિત અધ્યયન સામગ્રી

ગુજરાતી ધોરણ-6. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

ગુજરાતી ધોરણ-7. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

ગુજરાતી ધોરણ-8. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

ગુજરાતી ધોરણ-9. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

જેસલપુરા, શિવલાલ. ***ગુજરાતી વ્યાકરણ.***

ઠાકર, ધીરૂભાઈ. ***મધ્યકાલીન ગુજરાતી સાહિત્યની વિક્સ રેખા.***

ઠાકર, ધીરૂભાઈ. ***અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યની વિકાસ રેખા.***

ત્રિવેદી, રમેશ. ***અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ.***

પટેલ, મોહનભાઈ. ***ગુજરાતી વિરામ ચિહ્નો.***

બ્રહ્મભટ્ટ, પ્રસાદ. ***સત્તર સાહિત્ય સ્વરૂપો.***

રાવળ, અનંતરાય. ***ગુજરાતી સાહિત્યનો ઈતિહાસ (મધ્યકાલીન).***

વ્યાસ, યોગેન્દ્ર. ***ગુજરાતી વ્યાકરણ.***

હિન્દી શિક્ષક મહાવિદ્યાલય, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ, અહમદાબાદ – 380 014

હિન્દી શિક્ષા વિશારદ (બી.એડ્. – હિન્દી) અભ્યાસક્રમ - સેમેસ્ટર-2

પ્રશ્નપત્ર- C-202 : ગુજરાતી વિષયવસ્તુ

કુલ અંક – 50

શૈક્ષણિક હેતુઓ				
પ્રશિક્ષણાર્થીઓ..	1. ધોરણ-10 થી 12 ના પાઠ્યપુસ્તકમાં સમાવિષ્ટ ગદ્ય-પદ્ય કૃતિઓની સમીક્ષા કરે તથા સર્જકોનો પરિચય મેળવે. 2. ગુજરાતી સાહિત્યનો પરિચય મેળવે અને સાહિત્ય સ્વરૂપો જાણે. 3. વાક્યનાં પ્રકારો અને તેમની વચ્ચેનો તફાવત જાણે. 4. છંદ, અલંકાર જેવી વ્યાકરણ વિષયક સજ્જતા મેળવે.			
સૈદ્ધાંતિક કાર્ય				
એકમ ક્રમાંક	**એકમના મુદ્દા**			**ગુણભાર**
એકમ-1	**ધોરણ-10 થી 12 ના પાઠ્યપુસ્તકમાં સમાવિષ્ટ ગદ્ય કૃતિઓની સમીક્ષા તથા સર્જકોનો પરિચય (09.00 કલાક)**			**20 %**
ક્રમ	**એકમ**	**સાહિત્ય સ્વરૂપ**	**લેખક**	**ધોરણ**
1	સોનાનાં વૃક્ષો	લલિત નિબંધ	મણિલાલ પટેલ	10
2	એ.પી.જે. અબ્દુલ કલામનું ઘડતર	આત્મકથાખંડ	એ.પી.જે. અબ્દુલ કલામ	10
3	છકડો	નવલિકા	જયંતિ ગોહેલ	10
4	ભૂખી ભૂતાવળ	નવલકથાખંડ	પન્નાલાલ પટેલ	11
5	ડીમલાઈટ	એકાંકી	રઘુવીર ચૌધરી	12
એકમ-2	**ધોરણ-10 થી 12 ના પાઠ્યપુસ્તકમાં સમાવિષ્ટ પદ્ય કૃતિઓની સમીક્ષા તથા સર્જકોના પરિચય (09.00 કલાક)**			**ગુણભાર 20 %**
ક્રમ	**એકમ**	**સાહિત્ય સ્વરૂપ**	**કવિ**	**ધોરણ**
1	પ્રશ્ન	સોનેટ	ઉમાશંકર જોશી	10
2	અતિજ્ઞાન	ખંડકાવ્ય	કાન્ત	10
3	કુંજલડી રે	લોકગીત	-	10
4	નદીની રેતમાં	ગઝલ	આદિલમનસૂરી	11
5	કસુંબીનો રંગ	શૌર્યગીત	ઝવેરચંદ મેઘાણી	12
એકમ-3	**ગુજરાતી સાહિત્યનો પરિચય અને સાહિત્ય સ્વરૂપો (15.75 કલાક)**			**35 %**
	1. ગુજરાતી સાહિત્યનાં ઈતિહાસનો સામાન્ય પરિચય 2. મધ્યકાલીન પદ્ય સ્વરૂપોની સ્વરૂપગત વિશેષતાઓ : આખ્યાન, બારમાસી, પદ્યવાર્તા 3. આર્વાચીન ગુજરાતી ગદ્ય સ્વરૂપોની સ્વરૂપગત વિશેષતાઓ : એકાંકી, નવલિકા, નવલકથા 4. આર્વાચીન ગુજરાતી પદ્ય સ્વરૂપોની સ્વરૂપગત વિશેષતાઓ : સોનેટ, ગઝલ, ઉર્મિકાવ્ય, ખંડકાવ્ય, હાઈકુ			

એકમ-4	વ્યાકરણ (11.25 કલાક)	25 %
	1. વાક્યનાં પ્રકાર : ભાવની દૃષ્ટિએ અને બંધારણની દૃષ્ટિએ 2. વિરામ ચિહ્નો અને તેનો ઉપયોગ 3. અલંકાર : અર્થ અને પ્રકાર શબ્દાલંકાર : વર્ણાનુપ્રાસ, આંતરપ્રાસ, અંત્યાનુંપ્રાસ, યમક અર્થાલંકાર : ઉપમા, રૂપક, ઉત્પ્રેક્ષા, વ્યતિરેક, અનન્વય, શ્લેષ, વ્યાજસ્તુતિ 4. છંદ : અક્ષરમેળ, માત્રામેળ, સંખ્યામેળ	

સૂચિત પ્રાયોગિક કાર્ય

1. સર્જકની જન્મજયંતીની ઉજવણી કરે.
2. કવિ મુશાયરો અને સાહિત્યકારો સાથે વાર્તાલાપનું આયોજન કરે.
3. વિવિધ ગદ્ય-પદ્ય કૃતિઓનું પઠન અને ગાન કરે.
4. વિવિધ ગદ્ય-પદ્ય કૃતિઓનું સાહિત્ય સ્વરૂપ અનુસાર વર્ગીકરણ કરે.
5. છંદ અને અલંકાર જેવા વિષયવસ્તુ માટે સ્વનિર્મિત શૈક્ષણિક ઉપકરણ તૈયાર કરે

સૂચિત અધ્યયન સામગ્રી

ગુજરાતી ધોરણ-10. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

ગુજરાતી ધોરણ-11. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

ગુજરાતી ધોરણ-12. ગાંધીનગર : ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.

જેસલપુરા, શિવલાલ. ***ગુજરાતી વ્યાકરણ.***

ઠાકર, ધીરૂભાઈ. ***મધ્યકાલીન ગુજરાતી સાહિત્યની વિકસ રેખા.***

ઠાકર, ધીરૂભાઈ. ***અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યની વિકાસ રેખા.***

ત્રિવેદી, રમેશ. ***અર્વાચીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ.***

પટેલ, મોહનભાઈ. ***ગુજરાતી વિરામ ચિહ્નો.***

બ્રહ્મભટ્ટ, પ્રસાદ. ***સત્તર સાહિત્ય સ્વરૂપો.***

રાવળ, અનંતરાય. ***ગુજરાતી સાહિત્યનો ઈતિહાસ (મધ્યકાલીન).***

વ્યાસ, યોગેન્દ્ર. ***ગુજરાતી વ્યાકરણ.***

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

पेपर-C-102 : English content

कुल अंक – 50

Instructional Objectives		
To enable student teachers to...	1. Comprehend and Understand various parts of speech and use it in English. 2. Comprehend and Understand oral and written expressions. 3. Comprehend and Understand the textual content covered in Std 6, 7 & 8 . 4. Study the units of English Text books of Std 6, 7 & 8 in detail.	
Theory		
UNIT NO.	**Points in Unit**	**Marks Weitage**
UNIT: 1	**PARTS OF SPEECH (11.25 Hour)**	**25%**
	1. Meaning and use of diffrent parts of speech through communicative approch 2. Articles, Prepositions, Nouns, Pronouns, Verbs, Adverbs, Conjunctions & Interjections 3. Introductory "It" and "There" 4. Model Auxiliaries and their uses	
UNIT: 2	**ORAL AND WRITTEN EXPRESSIONS (11.25 Hour)**	**25%**
	1. Elements of Oral Composition 2. Elements of Written Composition 3. Letter-writing and Paragraph- writing 4. Story telling and Story- writing from the guided points (Picture story and strip story)	
UNIT: 3	**TEXTUAL CONTENTS OF STD 6,7 & 8 (13.50 Hour)**	**30%**
	1. Analysis of the textual contents of std 6, 7 & 8 2. Unit-7, 9, 10 of std-6, Unit-5, 7, 9 of std-7, Unit-7, 8, 9 of std-8, 3. Varieties of activities and exercises in selected units	
UNIT: 4	**Language Enrichment (09.00 Hour)**	**20%**
	1. Development of skills and language materials 2. Meaning and use of language functions and structures 3. Preparation and practice of language functions in classroom Teaching (std. 6, 7 & 8)	
PRACTICAL WORKS		
1. Collecting poems, education articles, proverbs and idioms. 2. Preparing different teaching-learning materials.		
REFERENCES		

A.J. Thomson. Practical English Grammar. Press : Oxford University, Oxford.

Czerniewska, Pam. (1997). Understanding Speech (Block 1). Great Britain : The Open University Press.

Close, R.A. (1981). ***English as a foreign Language : Its constant grammatical problems*** (third Ed.). London : Unwin Hyman.

Jarvie, Gordon. (1993). ***Bloomsbury Grammar Guide*** (First. Ed.). London : Bloomsbury.

Murphy, Raymond. (1997). ***Essential English Grammar*** (Sec. Ed.). Cambridge : University Press.

Prasad, Kameshwer. (2006). ***Essentials of English Grammar***. Jaipur : Shree Niwas Publications.

Seidl, Jennifer. (1989). English Idioms and How to use them. Press, Oxford, London :Oxford University.

Swan, Michael. (1995). ***Practice English Usage*** (Sec. Ed.). Oxford : Oxford University Press.

Wehmeier, Sally, (1993). ***Oxford word power Dictionary***. Press : Oxford University Oxford.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

पेपर-C-202 : English content

कुल अंक – 50

Instructional Objectives	
To enable student teachers to…	1. Develop skill required for sentence construction. 2. Understand oral and written expressions. 3. Understand the textual contents of Std 9 & 10. 4. Study the units of English Text books of Std 9 & 10.

Theory

UNIT No	Points in Unit	Marks Weitage
UNIT: 1	**SENTENCE PATTERN (11.25 Hour)**	25%
	1. Tenses covered in std. 9 & 10 and its uses 2. Types of Sentences- Assertive, Negative, Interrogative, Imperative, Optative, exclamatory sentences. 3. Transformation of sentences : Active and passive Voice, direct and indirect speech, Degrees of Comparison. 4. Question tags	
UNIT: 2	**Composition (11.25 Hour)**	25%
	1. Dialogue-Writing 2. Application-writing 3. Reports for special programmes and festivals 4. Essay-writing	
UNIT: 3	**Textual Content of Std. 9 &10 (15.75 Hour)**	35%
	1. Analysis of the textual content of std. 9 & 10 2. Unit-7, 8, Poem-3 & Dolohin-5 to 7 of std-9 Unit-1, 3, 5, 6 & 14, Poem-3, 5, & 6, Supplementary readimg-3 & 5 of std-10 3. Varieties of activities and exercises in selected units	
UNIT: 4	**Language Enrichment (06.75 Hour)**	15%
	1. Idioms and phrases covered in std. 9 & 10 2. Vocabulary (Active and passive) covered in std. 9 & 10 3. Preparation and practice of Language functions in classroom teaching (std. 9 & 10)	
	PRACTICAL WORKS	

1. Writing application, paragraph, essay on different topics.
2. Developing all types of test-items.
3. Collecting moral stories.

REFERENCES

A.J. Thomson. Practical English Grammar. Press : Oxford University, Oxford.

Czerniewska, Pam. (1997). Understanding Speech (Block 1). Great Britain : The Open University Press.

Close, R.A. (1981). ***English as a foreign Language : Its constant grammatical problems*** (third Ed.). London : Unwin Hyman.

Jarvie, Gordon. (1993). ***Bloomsbury Grammar Guide*** (First. Ed.). London : Bloomsbury.

Murphy, Raymond. (1997). ***Essential English Grammar*** (Sec. Ed.). Cambridge : University Press.

Prasad, Kameshwer. (2006). ***Essentials of English Grammar***. Jaipur : Shree Niwas Publications.

Seidl, Jennifer. (1989). English Idioms and How to use them. Press, Oxford, London :Oxford University

Swan, Michael. (1995). ***Practice English Usage*** (Sec. Ed.). Oxford : Oxford University Press.

Wehmeier, Sally, (1993). ***Oxford word power Dictionary***. Press : Oxford University Oxford.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-C-102 :सामाजिक विज्ञान विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. इतिहास और समाज जीवन के बारे में जाने । 2. गुजरात राज्य का स्थान, भूपृष्ठ और हवामान की समझ प्राप्त करे 3. भारत का स्थान, हवामान और लोकजीवन की माहिती प्राप्त करे 4. नकशापूर्ति का कौशल ग्रहण करे । 5. सामाजिक-धार्मिक जागृति और अर्थव्यवस्था के लक्षण अलग करे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	इतिहास और समाजजीवन कक्षा-6 (11.25 घण्टे)	25 %
	1. इतिहास जानने का स्रोत 2. मानव जीवन की शुरुआत – स्थायी 3. अपना घर :पृथ्वी 4. प्राचीन समाजजीवन 5. स्थानिक सरकार (ग्रामीण, शहर) 6. महाजन पद समय की प्रशासन व्यवस्था	
इकाई – 2	गुजरात राज्य की पहचान (कक्षा-7) (11.25 घण्टे)	25 %
	1. गुजरात :स्थान, सीमा, भुपृष्ठ, हवामान और नैसर्गिक संशाधन 2. वैविध्य में एकता 3. प्राचीन नगरों 4. शांति और अहिंसा का संगम 5. आपत्ति और प्रबन्ध 6. दो महाराज्य 7. मध्ययुगीन गुजरात 8. राज्य का प्रशासन प्रबन्ध	
इकाई – 3	भारत :भूतकाल और वर्तमान काल (कश्रा-8) (11.25 घण्टा)	25 %
	1. राजपूत युग 2. मध्ययुगीन दिल्ली दर्शन, प्रशासन प्रबन्ध और स्थापत्य 3. मुगल साम्राज्य :स्थापना और विस्तृतीकरण, मुगल प्रशासन – 2 सुवर्णयुग और अस्त 4. मध्यकालीन स्थापत्यों 5. भारत स्थान सीमा और भुपृष्ठ हवामान नैसर्गिक संसाधन :कृषि उद्योग, परिवहन और लोकजीवन	

	6. बाजार में ग्राहक 7. न्यायालय, सार्वजनिक मिलकत 8. इश्वर से अनुराग 9. भारत में युरोपियन प्रजा का आगमन 10. हमारे इधर-उधर 11. भारत का संविधान 12. व्यापारी प्रशासक 13. प्राकृतिक आपत्तियाँ 14. अंग्रेज प्रशासन का भारत पर असर 15. प्रजातंत्र में संसद की भूमिका 16. 1857 का स्वातंत्र्य संग्राम 17. प्रजातांत्रिक भारत	
इकाई – 4	जागृति और अर्थव्यवस्था (कक्षा – 8) (11.25 घण्टे)	25 %
	1. धार्मिक सामाजिक जागृति 2. पर्यावरणीय प्रदूषण 3. भारत में राष्ट्रवाद, क्रांतिवीरों 4. मानव संसाधन 5. भारत की समस्यायें और इसके उपाय 6. हमारी अर्थव्यवस्था 7. संयुक्त राष्ट्रों	

सूचित प्रायोगिक कार्य (किन्ही दो)

1. अपने गाँव का नकशा तैयार करना
2. आपके घर का चित्र बनाकर इन्टरनेट परसे अथवा अन्य पुस्तकों में से विभिन्न प्रकार के घर के चित्र बनाकर आलबम तैयार करना ।
3. शाला पंचायत का चुनाव करके विभिन्न समितियाँ बनाकर उनके खाते को सौंपना
4. लोकसभा या राजसभा का जीवंत प्रसारण देखकर कार्यवाही की नोंध करके पूछे गये प्रश्नों की नोंध तैयार कीजिए ।
5. भारत का राजकीय नकशा बनाकर इस में 1857 के संग्राम के केन्द्र निर्देशित कीजिए ।
6. आपके गाँव की पंचायत या नगर पंचायत की मुलाकात लेकर गरीबी की रेखा के तहत जीनेवाले बी.पी.एल. परिवारों की संख्या जानकर अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. સામાજિક વિજ્ઞાન ધોરણ-6, ગાંધીનગર :ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.
2. સામાજિક વિજ્ઞાન ધોરણ-7, ગાંધીનગર :ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.
3. સામાજિક વિજ્ઞાન ધોરણ-8, ગાંધીનગર :ગુજરાત રાજ્ય પાઠ્યપુસ્તક મંડળ.
4. પંચોળી, મનુભાઈ. આપણો વારસો અને વૈભવ, સંસ્કાર સાહિત્ય મંદિર.
5. દેસાઈ, ધનવંતભાઈ અને કાલરી, અર્વાચીન ભારતનો ઇતિહાસ.
6. શાહ, બી. સી. ભારતનાં પંચાયતી રાજ, અમદાવાદ :ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ.
7. શ્રીવાસ્ત્વ, એમ. એન., આધુનિક ભારતમાં સામાજિક પરિવર્તન.
8. સમાજ પરિવર્તનનું ગતિશાસ્ત્ર, અમદાવાદ :યુનિવર્સિટી ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ.
9. ગાંધીજીના રચનાત્મક કાર્યક્રમ.
10. ભારતનો સાંસ્કૃતિ ઇતિહાસ.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-C-202 :सामाजिक विज्ञान विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. राष्ट्रीय और स्थानिक स्वातंत्र्य सेनानिओं के योगदान को समझे । 2. भारत के संविधान के महत्त्वपूर्ण लक्षणों को उजागर करे । 3. राष्ट्रीय एकता और अखंडितता के प्रति प्रतिबद्ध बने । 4. भारतीय आबादी का कद, विस्तृतता और इसमें होते परिवर्तन काल और क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में समझे । 5. सांस्कृतिक विरासत के स्थानों का रक्षण एवं रखरखाव के प्रति जागरुक बने । 6. नकशा पूर्ति कौशल प्राप्त करे । 7. भारतीय अर्थतंत्र के प्रमुख लक्षणों को समझे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	स्वातंत्र्य प्राप्ति तथा आधुनिक भारत का निर्माण (06.75 घण्टे)	15 %
	1. स्वातंत्र्य प्राप्ति की ओर प्रयाण 2. स्वातंत्र्योत्तर भारत-1 3. स्वातंत्र्योत्तर भारत-2 4. भारत का संविधान :निर्माण और विशेषताएँ 5. मूलभूत अधिकार एवं राजनीति के मार्गदर्शक सिद्धांत 6. भारत की न्यायपालिका	
इकाई – 2	भारत :जमीन, जनसंख्या और भव्य विरासत	
	1. स्थान और विस्तार 2. जलवायु (हवामान) 3. नैसर्गिक वन्य संपत्ति 4. वन्यजीवन 5. मानव आबादी कक्षा-10 6. हमारी भव्य विरासत 7. भारत की विज्ञान – तकनीकी में विरासत 8. भारत के सांस्कृतिक विरासत के स्थान 9. हमारी विरासत की सुरक्षा कक्षा-11 10. नकशे :अर्थ और प्रकार	

इकाई – 3	संशाधन और आर्थिक विकास (04.50 घण्टा)	10 %
	1. भारत :कृषि 2. शक्ति के संसाधन 3. आर्थिक उदारीकरण एवं वैश्विकरण 4. भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख समस्यायें :गरीबी और बेरोजगारी 5. मूल्य वृद्धि और ग्राहक जागृति	
इकाई – 4	मानव विकास और समाज परिवर्तन (18.00 घण्टे)	40 %
	1. मानव विकास की गतिशीलता 2. सामाजिक समस्याएँ और चुनौतियाँ 3. सामाजिक परिवर्तन कक्षा-12 4. पंचायतीराज और सामाजिक परिवर्तन 5. सामाजिक आंदोलन	

सूचित प्रायोगिक कार्य (किन्ही दो)

1. दांडीकूच की राह दिखाता हुआ नकशा तैयार करके इसमें सहभागियों की सूची बनाना ।
2. 'देशी राज्यों के एकीकरण में सरदार पटेल का योगदान' विषयपर वक्तृत्व स्पर्धा का आयोजन ।
3. विश्व आबादी दिवस मनाना ।
4. भारत का रेखांकित नकशा में आबादी विषयक गीचता सम्बन्धित रंगों से राज्यों को दिखाना ।
5. भिन्न – भिन्न पेड़ो के पन्नों को इकठ्ठे करके पानपोथी बनाना ।
6. भारत जंगली वन्य प्राणियों के चित्रों का अलबम बनाना ।
7. भारत के नकशे में अभयारण्य स्थल दिखाना ।
8. नागार्जुन, चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, वराहमिहिर, विश्वकर्मा आदि की तस्वीरें इकठ्ठी करके, इसके बारे में लिखकर प्रदर्शनी आयोजित करना ।
9. ऐतिहासिक स्थलों के संग्रहालय की मुलाकत लेकर अहवाल तैयार करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. Census of India – 2011, New Delhi : Registrar General India.
2. अश्विनी भट्ट अर्धी राते आजादी, अनु. (गुजराती)
3. देसाई धनवंत अने कालरी, अर्वाचीन भारत का इतिहास (गुज.)
4. बी. सी. शाह, भारतनां पंचायती राज, अहमदाबाद :युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड (गुज.)
5. पंचोली, मनुभाई, आपणो वारसो अने वैभव, संस्कार साहित्य मंदिर, (गुज.)
6. शाह, नवलभाई, समाज नवनिर्माण (भाग-1, 2, 3), अहमदाबाद :बालगोविंद प्रकाशन (गुज.)
7. सामाजिक विज्ञान कक्षा-9 (2005), गांधीनगर :गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन' सेक्टर-10 ए – गांधीनगर ।
8. सामाजिक विज्ञान कक्षा-10 (2006), गांधीनगर :गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन' सेक्टर-10 ए – गांधीनगर ।
9. सामाजिक विज्ञान कक्षा-11 (2006), गांधीनगर :गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन' सेक्टर-10 ए – गांधीनगर ।
10. सामाजिक विज्ञान कक्षा-12 (2006), गांधीनगर :गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, 'विद्यायन' सेक्टर-10 ए – गांधीनगर ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-C-102 : संस्कृत विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. संस्कृत वर्णे, शब्दरूप, धातुरूप, संज्ञा एवं सर्वनाम को समझे । 2. संधि और समास की जानकारी प्राप्त करके उसका उपयोग करें । 3. कृदन्त और विशेषण का संप्रत्यय और उस से सम्बन्धित नियम जानें । 4. गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के द्वारा प्रकाशित कक्षा 6 से 8 की पाठ्यपुस्तकों की समझ प्राप्त करें । 5. संस्कृत साहित्य से परिचित हो सके ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	वर्ण परिचय (9.00 घण्टे)	20 %
	1. स्वर वर्ण । 2. व्यंजन वर्ण । 3. उच्चारण स्थान । 4. घोष एवं अघोष वर्ण । 5. महाप्राण और अल्पप्राण वर्ण ।	
इकाई – 2	संज्ञा, सर्वनाम और शब्दरूप (11.25 घण्टे)	25 %
	1. संज्ञा : संप्रत्यय और प्रकार (स्वरान्त और व्यंजनान्त) 2. सर्वनाम : संप्रत्यय और प्रकार । 3. स्वरान्त शब्दरूपों :बाल, शाल, भूमि, नदी, हरि । 4. व्यजंनान्त शब्दरूपो :असम्द्, युष्मद्, यद्, एतत्, तत्, किं, राजन्	
इकाई – 3	संधि और धातुरुप (11.25 घण्टे)	25 %
	1. संधि : संप्रत्यय और प्रकार (स्वर, व्यंजन और विसर्ग परिचयात्मक) 2. स्वर संधि :गुण, यण, वृद्धि, दीर्ध । 3. धातुरुप, गण, विकरण और लकार : संप्रत्यय और उदाहरण । 4. प्रथम और चतुर्थ गण के परस्मैपद के धातुरुप :वर्तमानकाल, हयस्तन भूतकाल, सामान्य, भविष्यकाल, आज्ञार्थ और विद्यर्थ के सदंर्भ में ।	

इकाई – 4	संस्कृत साहित्य और पाठ्यपुस्तक (13.50 घण्टे)	30 %
	1. भाषांतर और सारांश :कक्षा 6 से 8 की पाठ्यपुस्तक में से । 2. वेदों का परिचय : ऋग्वेद, यजूर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद । 3. उपनिषद का परिचय : इशोपनिषद और कठोपनिषद । 4. सुभाषित श्लोक : विद्या, सत्संमति, गुरु और परोपकार ।	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. वर्ण परिचय की तालिका बनाना ।
2. समयदर्शक घटिकायंत्र तैयार करना ।
3. कक्षा 6, 7 या 8 के पाठ्यपुस्तक आधारित एक चित्रवार्ता बनाना ।
4. शिक्षक निर्देशित स्वाध्यायकार्य (कक्षा-11 की पाठ्यपुस्तक के संदर्भ में)

सूचित अध्ययन सामग्री

1. उपाध्याय, ए. ऐम. (1998), प्रशिष्ट साहित्यनो इतिहास, अहमदाबाद : युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड ।
2. भट्ट, वी. ऐम. संस्कृत वाक्य संरचना, अहमदाबाद : सरस्वती पुस्तक भंडार ।
3. शास्त्री, सी. ऐल. संस्कृत वांग्मय इतिहास, अहमदाबाद : सरस्वती पुस्तक भंडार ।
4. संस्कृत कक्षा 6 से 10 के पाठ्यपुस्तक, गांधीनगर : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल ।
5. जैन, एस (1998), संस्कृत प्रवेशिका, वाराणसी : सरस्वती प्रकाशन ।
6. पाण्डेय, एच. एवं व्यास, एस. (1998), संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, कानपुर : साहित्य निकेतन ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-C-202 : संस्कृत विषयवस्तु

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. समास, धातुरुप और अव्यय की जानकारी प्राप्त करें । 2. कृदंत और विशेषण की परिभाषा एवं प्रकार के बारे में समझे । 3. कर्तरी और कर्मणी वाक्यरचना के नियम जानें और शब्दरूपों से परिचित हो । 4. गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल के द्वारा प्रकाशित कक्षा 9 और 10 की पाठ्यपुस्तकों की समझ प्राप्त करें । 5. संस्कृत साहित्य एवं संस्कृत साहित्यकारों से परिचित हो सके ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	समास और धातुरूप (11.25 घण्टे)	25 %
	1. समास : संप्रत्यय और प्रकार (द्वंद्वसमास, अव्ययीभाव समास, द्विगुसमास, तत्पुरुषसमास, कर्मधारय और बहुव्रीहीसमास) 2. धातुरूप :6 और 10 गणसमूह के धातुरूप – आत्मनेपद के प्रत्ययों (वर्तमानकाल, हस्तन भूतकाल, सामान्य भविष्यकाल आज्ञार्थ और विद्यर्थ के संदर्भ में) 3. अव्यय : संप्रत्यय और उदाहरण 4. स्म का उपयोग :नियम और उदाहरण ।	
इकाई – 2	कृदंत, विशेषण और शब्दरूप (9.00 घण्टे)	20 %
	1. कृदंत : संप्रत्यय और प्रकार (हेत्वर्थ, संबंधक और कर्मणि भूतकृदंत) 2. विशेषण : संप्रत्यय और प्रकार (अधिकता वाचक और श्रेष्ठतावाचक) 3. कर्तरी और कर्मणी वाक्यरचना :लक्षण और उदाहरण 4. शब्दरूप :वारि, मधु, पितृ, मातृ, पुस्तकम्, वनम्	
इकाई – 3	शब्द परिचय, भाषांतर और सारांश (13.50 घण्टे)	30 %
	1. पर्यायवाची शब्द (नदी, राजा, शिव, चंद्र, सूर्य, जल, पर्वत, गणेश और वन) 2. संस्कृत में 1 से 100 तक की संख्या और समयवाचक शब्द । 3. कक्षा-9 की पाठ्यपुस्तक के पाठ्यक्रम – 1, 2, 4, 5, 7, 8, 13, 14, 17 और 20 का भाषांतर और सारांश । 4. कक्षा – 10 की पाठ्यपुस्तक के पाठ्यक्रम – 1, 2, 3, 4, 6, 8, 10, 18 और 20 का भाषांतर और सारांश ।	

इकाई – 4	संस्कृत साहित्य और साहित्यकार (11.25 घण्टे)	25 %
	1. साहित्यकारों का परिचय :कालिदास, बाणभट्ट, पाणिनी और भवभूति 2. साहित्य कृतिओं का परिचय :अष्याध्यायी, रघुवंशम्, मेधदूतम्, कादंबरी, उत्तर रामचरितम्, नीतिशतकम् (सब ग्रंथ के पहले तीन श्लोक का अर्थ विस्तार करना) 3. सूक्तिवाक्यों का विचार – विस्तार :कक्षा 9 और 10 के पाठ्यपुस्तक के आधार पर ।	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. पाठ्यपुस्तक के अलावा कोई भी 20 सुभाषित का अर्थ लिखकर संग्रह करना ।
2. पाठ्यपुस्तक के अलावा कोई भी सूक्तिवाक्यों का संदर्भ संग्रह करना ।
3. श्लोकगान, गद्यवाचन और व्याकरणात्मक टिप्पणीयों को मौखिक रूप से पेश करना ।
4. शिक्षक निर्देशित स्वाध्यायकार्य (कक्षा-12 की पाठ्यपुस्तक के संदर्भ में)

सूचित अध्ययन सामग्री

1. उपाध्याय, ए. ऐम. (1998), प्रशिष्ट साहित्यनो इतिहास, अहमदाबाद : युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड ।
2. भट्ट, वी. ऐम. संस्कृत वाक्य संरचना, अहमदाबाद : सरस्वती पुस्तक भंडार ।
3. शास्त्री, सी. ऐल. संस्कृत वांग्मय इतिहास, अहमदाबाद : सरस्वती पुस्तक भंडार ।
4. संस्कृत कक्षा 6 से 10 के पाठ्यपुस्तक, गांधीनगर : गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल ।
5. जैन, एस (1998), संस्कृत प्रवेशिका, वाराणसी : सरस्वती प्रकाशन ।
6. पाण्डेय, एच. एवं व्यास, एस. (1998), संस्कृत साहित्य की रूपरेखा, कानपुर : साहित्य निकेतन ।

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद – 380 014

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. – हिन्दी) अभ्यासक्रम - सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-D-101 : समूहजीवन के सिद्धांत (विशिष्ट क्षेत्र)

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी.....	1. समग्र मनुष्यजाति की बुनियादी महत्वकांक्षायें हैं ऐसे शाश्वत सुख और समृद्धि की प्राप्ति के लिए आवश्यक मूल्यों और कौशलों के प्रति आदर रखें । 2. मनुष्य की वास्तविक्ता और शेष जगत के बारे में सच्ची समझ के आधार पर जीवन और व्यवसाय तथा सुख और समृद्धि प्रति सर्वांगीण दृष्टिबिन्दु रखे । 3. नीतियुक्त मानव वर्तन, विश्वसनीय और परस्पर पूरक मानवीय वर्तन तथा निसर्ग के साथ परस्पर समृद्धिपूर्ण आंतरक्रिया के रूप में सूचीत सर्वांगीण दृष्टिबिन्दु के संभवित फलितार्थ समझे ।	
	सैद्धांतिक कार्य	
इकाई क्रमांक	**इकाई के मुद्दे**	**अंकभार**
इकाई – 1	मूल्यशिक्षा का परिचय (04-50 घण्टे)	10 %
	1. मूल्यशिक्षा की आवश्यक्ता, बुनियादी मार्गदर्शन, विषयवस्तु और प्रक्रिया की समझ । 2. आत्मखोज :इसकी विषयवस्तु और प्रक्रिया, आत्मखोज के लिए तंत्रगत बाबतों में 'नैसर्गिक स्वीकृति' और 'अनुभवसिद्ध यथार्थीकरण' 3. शाश्वत सुख और समृद्धि :मनुष्यजाति की मूलगत महत्वकांक्षा के प्रति एक दृष्टि 4. सही समझ, सम्बन्धितता और भौतिक सुखसुविधायें – हरएक मनुष्य की महत्वकांक्षाओं की पूर्ति के लिए मूलगत आवश्यक्तायें 5. सुख और समृद्धि की सही पहचान :प्रवर्तमान परिस्थिति का विवेचनात्मक आकलन 6. मनुष्य की सूचीत महत्वकांक्षाओं की पूर्ति हेतु की पद्धति, विविध स्तर पर संवादितता की समझ और जीवन	
इकाई – 2	मनुष्य में संवादिता (09-00 घण्टा)	20 %
	1. वैचारिक 'मैं' और 'स्थूल' शरीर का सहअस्तित्व के रूप में मनुष्य के बारे में समझ 2. स्व 'मैं' और 'स्थूल' शरीर की जरूरतों की समझ 'सुख' और 'सुविधा' 3. 'मैं' के साधन के रूप में 'शरीर' के बारे में समझ (कर्ता, अवलोकन कर्ता और आनंद की अनुभूति कर ने वाला के रूप में 'मैं' 4. 'मैं' की लाक्षणिक्तायें और प्रवृत्तियों के बारे में समझ तथा 'मैं' में छीपि संवादिता 5. 'मैं' की स्थूल 'शरीर' के साथ की संवादिता :'संयम' और स्वास्थ्य, भौतिक जरूरतों का सही अंदाज, समृद्धि का विस्तृत अर्थ 6. 'संयम' और 'स्वास्थ्य' प्राप्ति का तरीका	

इकाई – 3	परिवार और समाज में संवादिता (13.50 घण्टे)	30 %
	1. परिवार में संवादिता के बारे में सही समझ, मानव आंतरक्रिया की मूल इकाई 2. मनुष्य – मनुष्य के बीच के सम्बन्धों में मूल्यों की समझ, न्याय का अर्थ और इसकी पूर्ति के लिए तरीका – तृप्ति, विश्वास और सन्मान – सम्बन्धों के लिए बुनियादी मूल्यों 3. विश्वास के अर्थ की समझ - इरादें और दक्षता के बीच भेद 4. सम्मान के अर्थ की समझ – सन्मान और विभेदन के बीच का भेद, सम्बन्ध के लिए अन्य कुछ विशिष्ट मूल्यों 5. समाज में संवादितता के बारे में समझ (परिवार के एक विस्तृत रूप के रूप में समाज), समाधान, समृद्धि, अभय, सहअस्तित्व – समझ मानव उद्देश्यों के रूप में 6. समाज में सार्वत्रिक संवादिता का स्थापन – अविभाज्य समाज, सार्वभौम व्यवस्था, परिवार से वैश्विक परिवार तक ।	
इकाई – 4	निसर्ग में संवादिता (अस्तित्व) (9-00 घण्टे)	20 %
	1. निसर्ग में संवादिता के बारे में समझ 2. निसर्ग के चारों नियमों के बीच की आंतर सम्बन्धितता और परस्पर पूर्ति, निसर्ग में पुनःस्थापन (Recycling) और स्वनियंत्रण 3. अस्तित्व मतलब सर्वव्यापी आकाश में परस्पर आंतरक्रिया होते इकाइयों के सहअस्तित्व की समझ 4. अस्तित्व की हर एक कक्षा के लिए संवादिता का समग्रलक्षी दर्शन	
इकाई – 5	सूचित समग्रलक्षी समझ के फलितार्थ :व्यावसायिक नीतिशास्त्र प्रति एक दृष्टि (9-00 घण्टे)	20 %
	1. मानवीय मूल्यों की नैसर्गिक स्वीकृति 2. नैतिक मानवीय वर्तन की निश्चितता (Definitiveness) 3. मानवतावादी शिक्षा, मानवतावादी संविधान और सार्वत्रिक मानवीय व्यवस्था (Human order) 4. व्यावसायिक नैतिकता सम्बन्धित दक्षतायें :(a) सार्वत्रिक मानवीय व्यवस्था के प्रस्थापन के लिए व्यावसायिक दक्षता का उपयोग करने की शक्ति 5. विशिष्ट समग्रलक्षी तकनीकी, प्रबन्ध मोडेल्स, उत्पादन प्रबन्धों का व्यक्ति अभ्यास 6. प्रवर्तमान स्थितियों में से सार्वत्रिक मानवीय अभिगम की और जाने की व्यूहरचना : (a) व्यक्तिगत स्तर पर (b) सामाजिक स्तर पर	

सूचित प्रायोगिक कार्य

1. छात्रावास में एक परिवार के रूप में संवादिता स्थापित करने का आयोजन करके अमली करना ।
2. समाज में मानव मूल्यों प्रस्थापित करने विविध मूल्यलक्षी कार्यक्रमों का आयोजन करना ।

सूचित अध्ययन सामग्री

1. Gaur, R. R., Sangal, R., 8 Bangaria, G. P. Human Values & Professional ethics.
2. नागराज, ए. मानव व्यवहार दर्शन, सरदार शहर (राजस्थान), गांधी विद्यामंदिर ।
3. મહેતા, બબલભાઈ, સમૂહજીવનનો આચાર, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર, અમદાવાદ.

हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय : गूजरात विद्यापीठ-अहमदाबाद

हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.हिन्दी) पाठ्यक्रम - सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र D-202 : भाषाविज्ञान (विशिष्ट क्षेत्र)

कुल अंक – 50

शैक्षिक उद्देश्य		
प्रशिक्षणार्थी...	1 भाषविज्ञान के सामान्य सिद्धांत एवं भाषा की विभिन्न इकाईयों का परिचय प्राप्त करें। 2 हिन्दी भाषा शिक्षण में भाषा विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग करें ।	
अध्यापन कार्य		
इकाई क्रमांक	**इकाई का विवरण**	**अंक विवरण**
इकाई-1	**भाषा की परिभाषा और भाषा के रूप (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 भाषा की परिभाषा और भाषा का महत्व 2 भाषा के विभिन्न रूप : स्थानिक भाषा, बोली, उपभाषा,राजभाषा, राष्ट्रभाषा,आंतरराष्ट्रीय भाषा –संपर्क भाषा –संचार भाषा । 3 साहित्यिक भाषा और जनभाषा में अंतर। 4 भाषा की प्रकृति : -भाषा पैतृक संपत्ति नहीं है -भाषा अर्जित संपत्ति है -भाषा आध्यांत सामाजिक वस्तु है -भाषा परंपरागत है -भाषा का अर्जन अनुकरण के द्वारा होता है -भाषा परिवर्तन शील है -भाषा का कोई अंतिम स्वरूप नहीं है -प्रत्येक भाषा की कोई एक भौगोलिक सीमा होती है -प्रत्येक भाषा की कोई एक ऐतिहासिक सीमा होती है -प्रत्येक भाषा की अपनी संरचना अलग होती है	
इकाई -2	**भाषा विज्ञान का नामकरण एवं क्षेत्र (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं नामकरण 2 भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र-उच्चारणात्मक, ध्वन्यात्मक, श्रवणात्मक 3 भाषा विज्ञान के प्रकार -सामान्य भाषा विज्ञान –वर्णानात्मक भाषा विज्ञान –एककालिक एवं बहु कालिक भाषा विज्ञान –तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी भाषा विज्ञान –सैद्धांतिक भाषा विज्ञान - 4 भाषा विज्ञान की शाखाएँ -वाक्य विज्ञान –पद विज्ञान –अर्थविज्ञान –ध्वनि विज्ञान -	
इकाई 3	**संसार की भाषाएँ और उनका वर्गिकरण (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 भारोपीय परिवार और उसका विभाजन 2 प्राकृत प्राकृतों के भेद, प्राकृत की प्रमुख विशेषताएँ	

	3 प्रमुख आधुनिक आर्यभाषाओं का परिचय -सिन्धी –लहँदा –पंजाबी –गुजराती –मराठी –उडिया –बंगाली –असमी –नेपाली –सिंहली –हिन्दी 4 द्रविड परिवार की प्रमुख भाषाएँ –तमिल, तेलुगु –कन्नड –मलयालम	
इकाई-4	**ध्वनि विज्ञान (11.25 घंटे)**	**25%**
	1 ध्वनियों का वर्गीकरण : स्वर व्यजंन 2 ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ और ध्वनि परिवर्तन के कारण 3 घ्वनि गुण, मात्रा, आघात, बलाघात. 4 ध्वनियों के उच्चारण की प्रक्रिया	

सूचीत प्रायोगिक कार्य

1 हिन्दी में ध्वनि परिवर्तन के कारण खोजना
2 ध्वनियों का वर्गीकरण करना
3 हिन्दी में अन्य भाषा के आगत शब्दों की सूची तैयार करना

सूचीत अध्ययन सामग्री

1 भाषाविज्ञान(1998)भोलानाथ तीवारी. किताब महल
2 भाषाविज्ञान हिन्दी भाषा और लिपि(2007)रामकिशोर शर्मा. लोकभारती प्रकाशन.इलाहाबद
3 भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास (2006). देवेन्द्र प्रसाद सिंह, जय भारती प्रकाशन. इलाहाबद
4 भाषाविज्ञान(2009). श्याम सुन्दर दास, अनु प्रकाशन
5 हिन्दी भाषा और भाषाविज्ञान(2008). अशोक के शाह, अमर प्रकाशन मथुरा
6 भाषाविज्ञान(2000). राजमल बोरा, नेशनल

परिशिष्ट-1

शिक्षण विशारद (बी.एड्.) और हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) अभ्यासक्रम सुधार अंतर्गत आयोजित बैठकों का संक्षिप्त ब्यौरा

क्रम	दिनांक	ब्यौरा
1	24-3-12	दोनों विशारद के अभ्यासक्रम में तीन साल के अनुभव के बाद कोई सुधार की आवश्यक्ता है या नहीं ? इस बाबत पर चर्चा करने हेतु प्रथम बैठक हुई । जिसमें दोनों महाविद्यालय के अध्यापकों उपस्थित रहें थें ।
2	27-3-12	अभ्यासक्रम में किस प्रकार के सुधार की आवश्यक्ता है ? इसके अलावा नई तालीम को केन्द्र में रखकर क्या किया जा सकता है ? इस बाबत की सैद्धांतिक चर्चा की गई । शिक्षण पद्धति के प्रश्नपत्र के लिए सूचित मुद्दाओं की रजूआत करके चर्चा की गई थी । (डॉ. जयप्रकाशभाई के द्वारा)
3	31-3-12	दिनांक 27-3-12 की बैठक में रजू किए गए मुद्दाओं के संदर्भ में प्रवर्तमान शिक्षण पद्धति के अभ्यासक्रम का मूल्यांकन करने का तय किया गया । सीतारामभाई के द्वारा तैयार किया गया अभ्यासक्रम का ढाँचा इ-मेईल से सभी अध्यापकों कों भेजा गया था ।
4	6-4-12	विषय अध्यापक के द्वारा शिक्षण पद्धति का अभ्यासक्रम तैयार किया जाए । जिस में दूसरी बैठक में सूचित किए गए मुद्दे का समावेश किया जा सकता है । नई तालीम के तज्ज्ञों के साथ बैठक कब बुलाई जाय ? वह तय किया गया । उसी के मुताबिक 13-4-2012 दिनांक को श्री मनसुखभाई सल्ला, श्री कुमुदभाई ठाकर, डॉ. राजाभाई पटेल, और श्री प्रवीणभाई डाभी के साथ बैठक करने का तय किया गया ।
5	13-4-12	इस बैठक में नई तालीम क्षेत्र के पाँच तज्ज्ञश्री, दोनों महाविद्यालय के अध्यापकश्री. गृहमाता, गृहपति सब मिलकर कुल 19 सदस्यों उपस्थित रहे थे । इस बैठक में नई तालीम का शिक्षक कैसा होना चाहिए ? नई तालीम के अनुरूप शिक्षक तैयार करने के लिए कैसी प्रवृत्तियों का आयोजन करना चाहिए ? जैसे प्रश्नों पर तज्ज्ञों ने अपने प्रतिभाव प्रगट किए थे । जीवनविद्या 'समूह-जीवन' संबंधी सैद्धांतिक कार्य दाखिल करने का सूचन किया गया ।
6	18-4-12	दोनों महाविद्यालय के उपस्थित अध्यापकों द्वारा कोर अभ्यासक्रम और विशिष्ट क्षेत्र के अभ्यासक्रम समीक्षा की बैठक मे चर्चा करके प्रश्नपत्रों का सैद्धांतिक ढाँचा तैयार किया गया । जिसकी का.पा. नोंध की गइ और प्रत्येक अध्यापक कों ढाँचा दिया गया । प्रत्येक प्रश्नपत्र का अभ्यासक्रम तैयार करने हेतु अध्यापकों का जूथ बनाया गया । प्रत्येक जूथ के कन्विनर अभ्यासक्रम तैयार करके डॉ. जीज्ञेशभाई को जमा करने का तय किया गया । विषयवस्तु के अभ्यासक्रम में कक्षा-6 से 12 वीं के पाठ्यक्रम को फोकस करने का निश्चित किया गया । प्रत्येक जूथ द्वारा तैयार किया गया अभ्यासक्रम दिनांक 23-4-12 तक जमा कराने का तया किया गया ।
7	25-4-12 26-4-12 27-4-12 28-4-12	अभ्यासक्रम सुधारणा बैठकों की चर्चानुसार तैयार किए गए अभ्यासक्रम पर महाविद्यालय के अध्यापकों के समूह द्वारा एक दृष्टि करने हेतु बैठकों का आयोजन किया गया । ताकी किसी मुद्दा का पुनरावर्तन न हो, कोई मुद्दा छूट न जाए और कोई मुद्दा सामेल करना हो तो सामेल कर पाए, इस उद्देश्य से सेमिनार कक्ष में ऑन स्क्रिन प्रत्येक प्रश्नपत्रों में सुधार किया गया था ।
8	30-4-12	शिक्षणशास्त्र अभ्यासक्रम समिति की इस बैठक में अभ्यास समिति के सदस्यश्री डॉ. मोतीभाई पटेल, डॉ. राजाभाई पटेल, डॉ. महेशचन्द्र याज्ञिक और अनिलभाई अंबासणा एवं महाविद्यालय के चौदह अध्यापकश्रीओं और डॉ. हरिभाई पटेल उपस्थित रहे थे । इस बैठक मे अभ्यासक्रम के कोर प्रश्नपत्रों और शिक्षण पद्धति के एवं विशिष्ट क्षेत्र के प्रश्नपत्रों की समीक्षा, सुधारणा और नवरचना संदर्भ में चार जूथों में जूथकार्य करके प्रश्नपत्रों कों अंतिम स्वरूप दिया गया था । तज्ज्ञों ने

		शिक्षण पद्धति पर बल देने का सुझाव दिया था । तदुपरांत नई तालीम संबंधी जिस प्रश्नपत्र में प्रायोगिक कार्य नहीं है, ऐसे प्रश्नपत्रों में वह सामिल करने का सुझाव दिया था ।
9	4-5-12 5-5-12	विशारद के अभ्यासक्रम में 'समूह-जीवन के सिद्धांतो' का प्रश्नपत्र के संबंध में आदरणीयश्री कुमुदभाई ठाकर के सानिध्य में महाविध्यालय के अध्यापकों के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया था । जिसमें जीवन-विद्या के विषयवस्तु का व्यवहारु उपयोग पर चर्चा-विचारणा की गई थी । इस विषयवस्तु के द्वारा प्रशिक्षणार्थीओं में अपेक्षित परिवर्तन आने पर तज्ज्ञश्री द्वारा अनुभव सिद्ध बल दिया था ।
10	7-5-12	'समूह-जीवन के सिद्धांतो' का प्रश्नपत्र के लिए खास उपयोगी पुस्तक 'HUMAN VALUES and professional ethics' ले. R.R. Gaur, R. Sangal, G.P. Bangaria के विषयवस्तु की विवेचना डॉ. जयप्रकाशभाई पंडया द्वारा कि गई थी । उसके बाद उपस्थित अध्यापकों द्वारा अभ्यासक्रम को ऑन स्क्रिन पर देखकर चर्चा-विचारणा करके आवश्यक सुधार किया गया । इस प्रकार तैयार किए गए अभ्यासक्रम को दिनांक 8-5-12 की अभ्यास समिति की बैठक में रजू करने का तय किया गया ।
11	8-5-12	शिक्षण विशारद (बी.एड्.) और हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) का अभ्यासक्रम सुधार हेतु शिक्षण महाविद्यालय गूजरात विद्यापीठ अहमदाबाद में दिनांक 8-5-12, मंगलवार के दिन अभ्यास समिति की बैठक का आयोजन किया गया था । इस बैठक में डॉ. मोतीभाई पटेल, डॉ. रमेशचन्द्र कोठारी, डॉ. महेशचन्द्र याज्ञिक और अनिलभाई अंबासणा तज्ज्ञों के रूप में उपस्थित रहे थे । इस बैठक में विषयवस्तु के प्रश्नपत्रों की जूथों में चर्चा की गई थी । उसके बाद मूल्यांकन योजना और 'समूह-जीवन के सिद्धांतो' का प्रश्नपत्र की चर्चा की गई थी । इस बैठक में अभ्यासक्रम संबंधी सूचित सुधार करके शिक्षण विशारद (बी.एड्.) और हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्.-हिन्दी) के अभ्यासक्रम को अंतिम स्वरूप देने की अभ्यासक्रम सुधार समिति द्वारा सिफांरिस की गयी थी ।

संकलन :
डॉ. जिज्ञेशभाई पटेल
डॉ. सीतारामभाई

का.आचार्य
(डॉ. जयप्रकाशभाई पंडया)
शिक्षण महाविद्यालय
गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

गूजरात विद्यापीठ : अहमदाबाद-380014

शिक्षण महाविद्यालय / हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय
शिक्षण विशारद (बी.एड्.) / हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्., हिन्दी)
प्रवेश फोर्म भरने संबंधी सूचना पत्र

"मेरी जिंदगी में मैंने अनेक कार्य किए हैं । उसमें से अनेक कार्यों के लिए मैं मन में गौरवान्वित भी हूँ, कितने कार्यों के लिए पश्चाताप भी होता है, इनमें से अनेक बड़े उत्तरदायित्व वाले भी थे । लेकिन अभी मैं बिना अतिशयोक्ति से कहना उत्सुक हुं कि मैंने एसा एक भी कार्य नहीं किया है जिसका आज के दिन किए जाने वाले कार्य का मुकाबला हो सके । मैंने तो केवल मंत्र दिया है एक वणिकपुत्र अगर कर सकता है तो मैंने ऋषि का कार्य किया है।

(मोहनदास करमचंद गांधी ता. 15-11-1920 गूजरात विद्यापीठ के स्थापना के समय)

1. परिचयः-

गूजरात विद्यापीठ गांधीविचार पद्धति के आधार जीवन जीने की शिक्षा देने वाली एक विशिष्ट संस्था है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आन्दोलन के समय 18, अक्तुबर, 1920 के दिन असकी स्थापना महात्मा गांधी के करकमलों द्वारा राष्ट्रीय विद्यापीठ के रुप में की गयी थी ।

इ.स. 1930 तक विद्यापीठमें गुजराती, मराठी, बंगाली, संस्कृत, पर्शियन तथा अंग्रेजी भाषाओं के अलावा भारतीय विद्या इतिहास, गणित, दर्शन, राजनीति, अर्थशास्त्र तथा संगीत जैसे विषयों में अध्ययन कार्य किया जाता था । स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय आन्दोलन के भाग के रुप में इ.स. 1930 से 1935 के समय दरमियान शैक्षणिक कार्य बंध रहा । ई.स. 1935 के पश्चात शैक्षिक कार्य का पुनः आरम्भ हुआ. ईस. 1942 से 1945 के दौरान हिन्द छोड़ो आन्दोलन में विद्यापीठ के छात्रों एवं शिक्षकों के जुड जाने के कारण एक बार पुनः अध्ययन कार्य बंद रहा । इसके पश्चात ई.स. 1947 में महादेव देसाई समाज सेवा महाविद्यालय का प्रारम्भ आठ छात्रों के साथ हुआ था। इस महाविद्यालय में वर्तमान में पारंगत, अनुपारंगत, तथा विद्यावाचस्पति के अभ्यासक्रम चल रहे है। गूजरात विद्यापीठ के मूल्य आधारित लोगों के राष्ट्रीय एवं आंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान के कारण भारत सरकार ने इ.स.1963 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (अधिनियम) के अंतर्गत गूजरात विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है । इस समय गांधीनगर जिले में स्थित सादरा गाँव के परिसर में पुरुषों के लिए एवं रांधेजा गाँव के परिसरमें महिलाओं के लिए स्नातक कक्षा के पाठ्यक्रम चल रहे हैं । सादरा परिसर के शारीरिक शिक्षण महाविद्यालय में तथा सूक्ष्मजीवाणुं विज्ञान विभाग में स्नातक एवं अनुस्नातक कक्षा के अभ्यासक्रम उपलब्ध है । रांधेजा परिसर के ग्राम सेवा महाविद्यालय में महिलाओं के लिए स्नातक –अनुस्नातक कक्षा के अभ्यासक्रमों की व्यवस्था है । अहमदाबाद परिसर में शिक्षण पारंगत (एम.एड्.) शिक्षण अनुपारंगत (एम.फिल.) एवं विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) के अभ्यासक्रम एवं प्रौढ़ शिक्षण विभाग तथा निरंतर शिक्षण विभागमें खास अभ्यासक्रम उपलब्ध है ।

गांधीजी के आदर्शो के अनुसार देश के नवनिर्माण के कार्यक्रमों के लिए शिक्षा द्वारा चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, संस्कारी तथा कर्तव्यनिष्ठ, कार्यकर्ता तैयार करना इस संस्था का बुनियादी उद्देश्य रहा है। आज के परिवर्तनशील समय में भी गूजरात विद्यापीठ की पहचान (पोत) मजबूत करने की सन्निष्ठ कोशिश हो रही है । गांधी विचार के प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षा के विविध क्षेत्रों में संशोधन, तालीम तथा विस्तरण के कार्यक्रमों को विद्यापीठ में प्रमुख स्थान दिया जाता है ।

2. गूजरात विद्यापीठ के ध्येयः-

2.1 विद्यापीठ का कार्य महात्मा गाँधी के आदर्शों के अनुसार देश का नवनिर्माण करने हेतु चलानेवाली प्रवृत्तियों के लिए चारित्र्यवान, शक्तिसंपन्न तथा कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ता तैयार करने का है ।

2.2 विद्यापीठ के शिक्षकों और संचालकों अहिंसा और सत्य को बाधक नहीं ऐसे साधनों का स्वीकार करके उसका उपयोग करने के लिए प्रयत्नशील होंगे ।

2.3 विद्यापीठ एवं उससे संलग्न अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों के अध्यापक एवं प्रबंधक अस्पृश्यता को कलंक रूप मानने वाले और उसे दूर करने के लिए प्रयत्नशील होने के कारण किसी भी छात्र-छात्रा अस्पृश्य होने के नाते उन्हें बाहर नहीं किया जायेगा और प्रवेश प्राप्त करने के बाद उन पर भेदभाव युक्त वर्तन नहीं किया जायेगा।

2.4 विद्यापीठ के लिए कार्य करने वाले अध्यापकों, प्रबंधकों एवं उस से संलग्न मान्यता प्राप्त संस्थान चरखे की प्रवृत्ति में माननेवाले एवं अनिवार्य संजोगों के अलावा निरंतर कताई करनेवाले और निरंतर खादी के वस्त्रों का परिधान करने वाले है। समझः- इस उदेश्य के अनुसार अध्ययनकाल के दौरान एवं शैक्षिक कार्य समय के दौरान किसी भी समय पर शुध्ध खादी के वस्त्रों का उपयोग करना लाजमी है, एवं कार्य समय के दौरान भी शुध्ध खादी के वस्त्र परिधान करना आवश्यक है।

2.5 विद्यापीठ में स्वभाषा का प्रमुखपद है और सभी शिक्षा स्वभाषा में दी जायेगी । समझः- अन्य भाषा अधिगम की प्रक्रिया में स्वभाषा का उपयोग बाधक नहीं होगा।

2.6 विद्यापीठ में राष्ट्रभाषा हिन्दी –हिन्दुस्तानी का आवश्यक स्थान होगा । नोंधः- हिंदी –हिन्दुस्तानी वह भाषा है, जो उत्तर में सामान्य हिन्दु-मुसलमान बोलतें है और देवनागरी एवं फारसी लिपि में लिखते है ।

2.7 विद्यापीठ में औद्योगिक शिक्षा कों बौद्धिक शिक्षा के समान ही महत्व दिया जाता है। राष्ट्र पोषक जो-जो उद्योग हे उन्हें आवश्यक स्थान दिया जायेगा, अन्य को नहीं ।

2.8 भारत वर्ष का उत्कर्ष शहरों पर नहीं किन्तुं गाँवों पर अवलंबित है । इस लिए विद्यापीठ के महत्त्म द्रव्य एवं विद्यापीठ के सभी अध्यापकों मुख्य उपयोग गाँवों में राष्ट्रपोषक शिक्षा के प्रचार के लिए किया जायेगा।

2.9 शिक्षा को निर्धारित करने में ग्रामजनों की आवश्यकताओंको प्रधान पद दिया जायेगा ।

2.10विद्यापीठ संचालित सभी संस्थाओं में प्रचलित सभी धर्मों के लिए पूर्णतः आदर होगा एवं छात्रों के आत्मविकास के लिए धर्म का ज्ञान, अहिंसा और सत्य को दृष्टि में रखकर दिया जायेगा ।

2.11लोगों के शारीरिक विकास के लिए व्यायाम ओर श्रम का प्रशिक्षण विद्यापीठमें लाजमी है ।

3. गूजरात विद्यापीठ की कुछ विशेषताएँ

गूजरात विद्यापीठ ने छात्र का सर्वांगी विकास करने का प्रण ली है । इस संदर्भ में छात्र को समाज के साथ जोड़ने हेतु ग्रामाभिमुख प्रवृत्तियों का आयोजन किया जाता है । वहाँ छात्र को ग्रामजीवन का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है । छात्र अपनी भारतीय पहेचान बना पाए इस प्रकार के अभ्यासक्रम विद्यापीठ में पढ़ाए जाते है । इस संदर्भ में विद्यापीठ की ओर से ग्रामजीवन यात्रा का आयोजन किया जाता है । स्नातक और अनुस्नातक का आभ्यासक्रम पूर्ण करने पर ग्राम विकास के कार्यों करने के लिऐ उत्सुक छात्र को समर्थन देने हेतु विद्यापीठ में ग्रामशील्पी योजना का अमल किया गया है । विद्यापीठ के प्रत्येक अभ्यासक्रम में शिबिर, प्रवास, केन्द्र निवास तथा अनुस्नातक स्तर से ही अनुसंधान कार्य करना अनिवार्य है । विद्यापीठ में एक समृद्ध पुस्तकालय है जिस में ज्ञान के विविध क्षेत्रों संबंधी पाँच लाख से भी अधिक पुस्तकें है । विद्यापीठ के रमत-गमत संकुल में विभिन्न प्रकार के खेल-कूदों का आयोजन किया जाता है । साल में एक बार विद्यापीठ के सभी परिसरों का संयुक्त रमतोत्सव मनाया जाता है । अहमदाबाद परिसर में स्नानागार की सुविधा उपलब्ध है । सादरा परिसर में शारीरिक संशोधन प्रयोगशाला है । रांधेजा परिसर में निसर्गोपचार केन्द्र है । विद्यापीठ के इन तीनों परिसर में आवासीय मेड़िकल ओफिसर तथा एम्ब्यूलन्स की सुविधा उपलब्ध है ।

4. गूजरात विद्यापीठ के छात्र के लिए नियमः-

4.1 खादीः- महाविद्यालय के समय दौरान और छात्रावास एवं अन्य समय में निरंतर निश्चित किया हुआ शुद्ध खादी का गणवेश परिधान करना होगा ।

4.2 चरखाः- नियत समय में और प्रार्थना के समय दौरान प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को अपने यरवड़ा चक्र तथा अंबर चरखा पर कताई करना होगा । अपने हाथों से कताई कर के निश्चित संख्या में गुँडी तैयार करनी होगी।

4.3 छात्रावासः- गूजरात विद्यापीठ के पूर्णकालीन अभ्यासक्रमों में छात्रावास लाज़मी है । छात्र को छात्रावास की आचारसंहिता का पालन करना होगा ।

4.4 उपस्थितिः- संस्था के नीति-नियमों के अनुसार 100 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है । बिमारी के कारण 30 दिन से अधिक अनुपस्थिति होने पर सत्र नामंजूर किया जाएगा ।

4.5 मोबाईलः- अभ्यास के दौरान छात्रों के लिए मोबाइल का उपयोग करना संपूर्ण तः निषेध है । महाविद्यालय एवं छात्रावास में मोबाइल का उपयोग वर्जित है । गूजरात विद्यापीठ के परिसर में टेलिफोन की सुविधा उपलब्ध है । पूरे साल के दौरान छात्र कहीं से भी मोबाईल के साथ या उपयोग करते हुए देखा जाएगा तो प्रवेश रद्द किया जाएगा ।

4.6 समूहजीवनः- सभी छात्रों को समूहजीवन के मूल्यांकन में निर्धारित कक्षा प्राप्त करनी होगी । जिस में मौखिक परीक्षा, जूथ-चर्चा का मूल्यांकन, सफाई साधनों का निर्माण कौशल एवं सफाई, छात्रावास जीवन, प्रार्थना और समूहभोजन आदी समाविष्ट है । साल के दौरान समूहजीवन का निरंतर मूल्यांकन होगा ।

5. **शिक्षण महाविद्यालयः-** नई तालीम के विद्यालयों के लिए निष्ठावान शिक्षकों को तैयार करने के उद्देश्य से शिक्षण महाविद्यालय की स्थापना की गई थी । अभी शिक्षण महाविद्यालय में शिक्षण विशारद (बी.एड्.), शिक्षण पारंगत (एम.एड्), शिक्षण अनुपारंगत (एम. फिल.) और विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) का पाठ्यक्रम उपलब्ध है । शिक्षणशास्त्र उच्च अध्ययन संस्थान (आई.ए.एस.ई.) शिक्षण महाविद्यालय का हिस्सा है । जिस के अंतर्गत गूजरात राज्य के शिक्षकों एवं अफसरों को अपग्रेड़ करने के कार्यक्रम चलाए जाते है ।

6. **हिन्दी शिक्षक महाविद्यालयः-**हिन्दी शिक्षक-प्रशिक्षण को अधिक सक्षम बनाने के लिए ई.स.1962 में हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय की स्थापना की गई है । हिन्दी शिक्षा विशारद का पाठ्यक्रम हिन्दी माध्यम में पढ़ाया जाता है ।

7. **हिन्दी शिक्षा विशारद (बी.एड्. हिन्दी) / शिक्षण विशारद (बी.एड्.) प्रवेश संबंधी नियम**

1. गुजरात राज्य के माध्यमिक विद्यालय, उत्तर बुनियादी और प्राथमिक अध्यापन मंदिरों के लिए बुनियादी शिक्षा पद्धतिनुसार शिक्षकों को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देने का अभ्यासक्रम है ।
2. कानून के द्वारा स्थापित किसी भी विश्वविद्यालय (युनिवर्सिटी) से प्राप्त स्नातक की पदवी या राज्य सरकार ने समकक्ष माना हो ऐसी पदवी वाले उम्मीदवार प्रवेश के लिए आवेदनपत्र भर सकेगें ।
3. एन.सी.टी.ई. के नियमों के मुताबिक शिक्षण विशारद की 100 बैठक और हिन्दी शिक्षा विशारद की 100 बैठक पर प्रवेश दिया जाएगा ।
4. शिक्षण विशारद और हिन्दी शिक्षा विशारद का अभ्यासक्रम एक वर्ष (दो सेमेस्टर) का है ।
5. माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाए जानेवाले निम्नांकित विषयो में से स्नातक और अनुस्नातक स्तर पर मुख्य विषय में 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के लिए 45 प्रतिशत) से अधिक अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण होने वाले छात्र ही आवेदनपत्र भर सकेगें ।
   5.1 शिक्षण महाविद्यालय में शिक्षण विशारद (बी.एड्.) के लिए गुजराती, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, गणित, माईक्रो बायोलोजी विषयों के लिए आवेदनपत्र भर सकेगा । प्रवेशार्थी का उपर्युक्त विषयों पैकी कोई एक विषय मुख्य विषय होना आवश्यक है । द्वितीय शिक्षा पद्धति के रूप में उपर्युक्त विषयों के अलावा हिन्दी विषय भी पसंद कर सकेगा ।
   5.2 हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय में स्नातक-अनुस्नातक स्तर पर मुख्य विषय हिन्दी हो ऐसे छात्र को प्रवेश दिया जाएगा । द्वितीय शिक्षा पद्धति के रूप में गुजराती, सामाजिकविज्ञान, संस्कृत और अंग्रेजी विषय पसंद कर सकेगा / सकेगी ।
6. स्नातक स्तर वर्ष-2 और वर्ष-3 के परीक्षा के अंकपत्रक की प्रमाणित प्रत संलग्न करना अनिवार्य है । अनुस्नातक हो तो दोनों वर्ष के अंकपत्रक की प्रमाणित प्रत संलग्न करना अनिवार्य है ।
7. केन्द्र सरकार की अनामत नीति अनुसार अनुसूचित जाति (एस.सी.) के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जन जाति (एस.टी.) के लिए 7.5 प्रतिशत, सामाजिक शैक्षिक पछात वर्ग लिए (एस.ई.बी.सी.) के 27 प्रतिशत और शारीरिक विकलांग के लिए 3 प्रतिशत के मुताबिक बैठकों पर प्रवेश दिया जाएगा ।

8. अनामत बैठकों का लाभ लेना चाहते उमीदवारों को सक्षम अधिकारी से प्राप्त जाति के प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रत आवेदनपत्र के साथ संलग्न करनी होगी ।
9. गलत या अपूर्ण माहितीवाला आवेदनपत्र प्रवेश के लिए मान्य नहीं होगा ।
10. गूजरात विद्यापीठ एवं उत्तर बुनियादी विद्यालय (कक्षा-8 से 12) में पढ़ाई करनेवाले छात्र को प्राथमिक्ता दी जाएगी।
11. उत्तर बुनियादी विद्यालयओं में पढ़ाई करने वाले छात्र को पूर्ण वर्ष के लिए एक अंक के मुताबिक अधिक से अधिक 5 अंक की मर्यादा में मेरिट स्कोर दिए जाएगे । यह अंक फाईनल मेरिट में सम्मिलित किया जाएगा। इसके लिए जिस उत्तर बुनियादी विद्यालय में पढ़ाई की है उसी विद्यालय के प्राचार्य का प्रमाणपत्र संलग्न करना आवश्यक है ।
12. स्नातक स्तर पर प्राप्त अंक के 80 प्रतिशत और अनुस्नातक स्तर पर प्राप्त अंक के 20 प्रतिशत अंक के मुताबिक मेरिट सूची तैयार की जाएगी ।
13. मेरिट सूची अनुसार मौखिक मुलाकात के लिए बुलाया जाएगा ।
14. मौखिक मुलाकात के लिए जिस छात्र को बुलाया जाएगा उसको अपने प्रवेश को निश्चित करने के लिए जन्म तिथि, शैक्षिक योग्यता और अन्य मूल प्रमाणपत्रों एवं अंकपत्रों प्रस्तुत करना होगा ।
15. यह प्रवेश शर्तों के आधीन रहेगा । इस प्रवेश के बाद उम्मीदवार को गाँधीविचार संबंधित एक परीक्षा पास करनी होगी । गांधी विचार संबंधित विभिन्न पुस्तकों में से एक पुस्तक '**संक्षिप्त आत्मकथा - गांधीजी**' प्रवेश फोर्म के साथ दिया जाता है जिसका अवश्य अध्ययन कर लेना।
16. उम्मीदवार को मेरिट के आधार पर द्वितीय शिक्षा पद्धति का विषय दिया जाएगा । अगर दिया गया विषय उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं है तो उसका प्रवेश अपने आप रद्द हो जाएगा ।
17. दोनों महाविद्यालयों का प्रथम सत्र जून महिने के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ होगा ।
18. यह अभ्यासक्रम पूर्णकालिन है इस लिए प्रवेशार्थी वर्ष दौरान अन्य कोई कार्य या अन्य कोई अभ्यास नहीं कर सकेगा ।
19. शिक्षण विशारद के अभ्यासक्रम का माध्यम गुजराती है और हिन्दी शिक्षा विशारद के अभ्यासक्रम का माध्यम हिन्दी है ।
20. वस्त्रविद्या का उद्योग प्रत्येक प्रशिक्षार्थी के लिए अनिवार्य है । प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को निश्चित किया गया वस्त्रविद्या का प्रायोगिक कार्य वर्ष दौरान पूर्ण करना होगा ।
21. प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को वर्ष दौरान अपने यरवड़ा चक्र तथा अंबर चरखा पर अपने हाथों से कताई की गई गुँडी निश्चित की गई संख्या में जमा करनी होगी ।
22. समग्र अभ्यासकाल दौरान संस्था द्वारा आयोजीत केन्द्र निवास, ग्रामजीवन यात्रा, ग्रामशिक्षण शिबिर तथा शैक्षणिक प्रवास अनिवार्य रूप से अपने खर्च से करना होगा ।
23. दोनों महाविद्यालयों में सेमेस्टर-1 का शुल्क रू. 1905/- है जब की छात्रावास में भोजन व्यवस्था शुल्क रू. 500/, भोजन अनामत शुल्क रू. 5000/- तथा प्रवास अनामत शुल्क रू. 1500/- है । इस प्रकार कुल मिलाकर रू. 8905/- जमा करवाने होगे । (हिन्दी शिक्षक महाविद्यालय में प्रवास अनामत शुल्क रू. 2000/- मिलाकर रू. 9405/- जमा करवाना होगा।) इस शुल्क में से रू. 3405/- प्रवेश मिलने पर उसी दिन तुरंत ही भरने होगे। और बाकी शुल्क सत्रारंभ पर भरना होगा । सेमेस्टर-2 का शुल्क रू. 1085/- है । जब की भोजन व्यवस्था शुल्क रू. 500/-, भोजन अनामत शुल्क रू. 4500/- सेमेस्टर-2 प्रारंभ के प्रथम दिवस ही भरना होगा ।
24. प्रवेश मिल जाने के बाद निश्चित की गई समयावधि में सूचित शुल्क जमा नहीं करवाने वाले और सूचित समय में हाजिर नहीं होने वाले का प्रवेश रद्द कर के उसी केटेगीरी की प्रतिक्षा सूची से अग्रता क्रमानुसार अन्य प्रशिक्षार्थी को प्रवेश दिया जाएगा ।
25. प्रवेश का स्वीकार कर के एवं संपूर्ण शुल्क जमा कराने के पश्चात महाविद्यालय छोड़ जाने वाले एवं महाविद्यालय में हाजीर नहीं होने वाले के शुल्क का निर्णय संस्था के नियमानुसार किया जाएगा ।
26. दोनों महाविद्यालयों में तथा छात्रालयों में शुल्क संबंधी कोई सुधार किया जाएगा तो वह दाखिल होने वाले सभी-छात्र को बंधनकर्ता होगा ।

27. यह प्रवेश शरती है और उपर्युक्त शर्तों के आधीन दिया जाता है ।
28. प्रवेश संबंधी अंतिम निर्णय प्रवेश समिति का रहेगा ।
29. आवेदनपत्र संपूर्ण रूप से भर कर शिक्षण महाविद्यालय के कार्यालय में कार्यालयी कामकाज के समय दौरान साक्षात जमा करना होगा ।
30. उपरोक्त नियमों के अनुसरण में कोई त्रूटि हुई तो संस्था का निर्णय अंतिम होगा जो मुझे स्वीकार्य होगा । संस्था के वर्तमान नियमों के अलावा भविष्य के नियमों का भी पालन करना होगा ।
31. प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी के लिए शिक्षण महाविद्यालय, गूजरात विद्यापीठ अहमदाबाद के कार्यालय का संपर्क करें । फोन नंबर 079 - 40016342